संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 59
पृष्ठ 8
रविवार
17 नवम्बर 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक–उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध– खड़े रहकर करें आसान....

विचार– बुलडोजर पर न्याय....

खेल– बीसीसीआई के सामन....

सीएम योगी प्रयागराज में गरजे –

कर्फ्यू न दंगा यूपी में सब चंगा, फिर दोहराया– बंटोगे तो कटोगे

प्रयागराज। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भाजपा के लिए चुनाव सेवा का एक मिशन है जबकि सपा और बसपा के लिए चुनाव एक व्यवसाय है। अपने काले कारनामों को अंजाम देने, जनता का शोषण करने, कर्फ्यू और दंगा करने, लूट–घसोट और भ्रष्टाचार का सर्टिफिकेट है इनके लिए। इसलिए चुनाव में इन लोगों की जमानत जब्त कराना जरूरी है। कहा कि पूजा पाल और जया पाल दोनों मंच पर मौजूद हैं। इनके साथ क्या हुआ है बताने की जरूरत नहीं है। योगी आदित्यनाथ शनिवार को फूलपुर विधानसभा क्षेत्र के सहसों में भाजपा प्रत्याशी दीपक पटेल के लिए वोट मांगने पहुंचे थे। सीएम योगी ने कहा कि गुंडे, माफिया, अपराधी और अराजकतत्व सपा के गले की हार हैं। आपराधिक कृत्य से ही उनकी आजीविका चलती है। सुचिता पूर्ण परीक्षा सपा को रास नहीं आती है। कहा कि किसी भी युवा के भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं होने दिया जाएगा। आयोग और चयन बोर्ड इसके लिए कार्य कर रहा है। प्रयागराज की इस धरती पर भगवान बेणी माधव, गंगा, यमुना सरस्वती, भरद्वाज मुनि की विशेष कृपा है। समाजवादी पार्टी बांटने की राजनीति कर रही है। समाज को बांटने वाले देश के दुश्मन से कम नहीं हैं। अयोध्या में पांच सौ सालों का इंतजार बंटने के कारण ही झेलना पड़ा। इसी तरह काशी और मथुरा में भी बंटने के कारण अपमान झेलना पड़ा। बंटना नहीं है। बंटोगे तो कटोगे। सीएम योगी ने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ पात्रों को बिना किसी भेदभाव के दिया जा रहा है। इसको लेकर भी सपा को पीड़ा हो रही है। समाजवादी पार्टी लोगों को बांटने का कार्य कर रही है। सपा शासन में रोज कोई न कोई नया घोटाला होता था। विकास कार्यों से उन लोगों का कोई लेना देना नहीं था। भाजपा के साढ़े सात साल के शासन में हर वर्ग को सुविधाओं का लाभ मिल रहा है। उज्ज्वला योजना, मुफ्त बिजली कनेक्शन, मुफ्त गैस सिलिंडर, मुफ्त खाद्यान्न योजना, विधवा, वृद्ध और दिव्यांग पेंशन हो या फिर शौचालय और बिजली बिल माफ करने की योजना हो सबका लाभ बिना किसी भेदभाव के जनता को दिया जा रहा है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पूर्वी उत्तर प्रदेश को पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मेरठ से जोड़ने वाला गंगा एक्सप्रेस वे हाईवे प्रयागराज से होकर गुजर रहा है। इसके माध्यम से पांच से छह घंटे में प्रयागराज से मेरठ पहुंच सकते हैं और वहां से कुछ ही देर में दिल्ली पहुंच जाएंगे।

बिना नाम लिए पाकिस्तान पर बरस पड़े प्रधानमंत्री–

आतंकवादी अब अपने घरों में असुरक्षित महसूस कर रहे हैं...

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि पिछली सरकारों के शासन के विपरीत आतंकवादी अब अपने घरों में सुरक्षित महसूस नहीं करते हैं। दिल्ली में एचटी लीडरशिप समिट में अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने दावा किया कि पिछली सरकारों के समय आतंकवाद के कारण लोग असुरक्षित महसूस करते थे। उन्होंने कहा कि अब समय बदल गया है और अब आतंकवादी अपने घरों में भी खुद को सुरक्षित महसूस नहीं कर पा रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि उनकी सरकार वोट बैंक राजनीति से दूर रहती है और देश के विकास के लिए काम कर रही है। मोदी ने कहा कि अंग्रेज जब भारत छोड़कर जा रहे थे, तो ये कहा गया कि ये देश बिखर जाएगा, टूट जाएगा। जब इमरजेंसी लगी तो कुछ लोगों ने ये मान लिया था कि अब तो इमरजेंसी हमेशा ही लगी रहेगी। कुछ लोगों ने, कुछ संस्थानों ने इमरजेंसी थोपने वालों की ही शरण ले ली थी, लेकिन तब भी भारत का नागरिक उठ खड़ा हुआ। जब कोरोना का मुश्किल समय आया तो दुनिया को लगता था कि भारत उन पर बोझ बन जाएगा। लेकिन भारत के नागरिकों ने कोराना के खिलाफ एक मजबूत लडाई लड़कर दिखाई। एचटी का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि आपके अखबार की खबर में मैंने उस उत्साह को महसूस किया, जो अक्टूबर 1947 में कश्मीर के विलय के बाद हर देशवासी में थे। हालांकि उस पल मुझे इसका भी एहसास हुआ कि कैसे अनिर्णय की स्थितियों ने घ्कश्मीर को हिंसा में घेर कर रखा। आज आपके अखबार में जम्मू–कश्मीर में हुई रिकॉर्ड वोटिंग जैसी खबरें छपती हैं। ये अंतर है। उन्होंने कहा कि अभी कल ही मैं बोडोक्षेत्र के लोगों के साथ एक शानदार कार्यक्रम में मौजूद था और मैं हैरान हूं कि दिल्ली की मीडिया ने इसे कवर ही नहीं किया। उन्हें अंदाजा ही नहीं है कि पांच दशक बाद बम, बंदूक और पिस्तौल छोड़कर दिल्ली की छाती पर बोडो के नौजवान बोडो संस्कृति महोत्सव मना रहे हैं।

महायुति की हैट्रिक जीत पर एकनाथ शिंदे की नजर, बोले- पिक्चर अभी बाकी है

मुंबई महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि महायुति सरकार आगामी विधानसभा चुनावों में हैट्रिक जीत का लक्ष्य लेकर चल रही है और तीसरे दौर के चुनाव में निर्णायक बहुमत हासिल करने के लिए मजबूत प्रतिबद्धता पर जोर दिया। मुख्यमंत्री शिंदे ने दावा किया कि उनकी पार्टी आगामी चुनावों में हैट्रिक जीत हासिल करने के लिए तैयार है, उन्होंने इसकी तुलना क्रिकेट मैच से की जहां लक्ष्य साफ, शक्तिशाली जीत की ओर होता है।

शुक्रवार को मुंबई के दहिसर में एक जनता को संबोधित करते हुए एकनाथ शिंदे ने कहा कि हम दो बार चुने गए हैं और अब हैट्रिक की बारी है। हमें प्रतिद्वंद्वी का विकेट लेना है और इसे अच्छे बहुमत से लेना है। शिंदे ने कहा, श्यह तो सिर्फ ट्रेलर था, पिक्चर अभी बाकी है, इंतजार कीजिए और देखिए क्या होता है, हमें तीसरी बार हैट्रिक करनी है और सीधा सिक्सर लगाना है। मुख्यमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि प्रभावी शासन के लिए जनता के साथ सीधे संवाद की आवश्यकता होती है और नेताओं से लोगों की चिंताओं को व्यक्तिगत रूप से सुनने का आग्रह किया। शिंदे ने जमीनी स्तर पर जुड़ाव और जनता के साथ सीधे संवाद की आवश्यकता को रेखांकित करते हुए कहा, हमें आमने–सामने बैठकें करनी होंगी। हमें लोगों को सुनना होगा और उनकी समस्याओं का समाधान करना होगा। हम जमीनी स्तर के कार्यकर्ता हैं। सीएम शिंदे ने भगवा गठबंधन, महायुति के भीतर एकता और उनके उम्मीदवारों की मजबूत उपस्थिति पर प्रकाश डाला, यह सुझाव देते हुए कि इस संयोजन ने पिछले चुनावों में उनकी जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

चंद्रबाबू नायडू के भाई राममूर्ति नायडू का निधन

टीडीपी के पूर्व विधायक और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू के छोटे भाई एन राममूर्ति नायडू का शनिवार को एक निजी विशेषज्ञ अस्पताल में निधन हो गया। वह 72 वर्ष के थे। अस्पताल की रिपोर्ट के मुताबिक, राममूर्ति नायडू को कार्डियक अरेस्ट के बाद 14 नवंबर को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हृदय और फेफड़े के प्रत्यारोपण के बावजूद, उच्च रक्तचाप जैसी जटिलताओं के कारण वह बेहद अस्थिर रहे। श्वसन समस्याओं और गैर–संचारी सामान्य दबाव हाइड्रोसिफलस जैसी स्वास्थ्य समस्याओं के कारण दोपहर 12:45 बजे उनकी मृत्यु हो गई। अस्पताल ने कहा कि सांस लेने में तकलीफ के कारण उन्हें रुक–रुक कर वेंटिलेशन पर रखा गया था। उनके सर्वोत्तम चिकित्सा प्रयासों के बावजूद, उनकी स्थिति में सुधार नहीं हुआ। तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) और उनका परिवार वरिष्ठ नेता के निधन पर शोक मना रहा है।

झांसी में स्वागत के लिए सड़क किनारे चूना डाले जाने से उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक नाराज

झांसी । झांसी के महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज पहुंचने से पहले स्वागत के लिए सड़क किनारे चूना डाले जाने से नाराज उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने झांसी के जिलाधिकारी से उस व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई करने को कहा, जिसने यह काम करवाया था। मेडिकल कॉलेज की नवजात शिशु देखभाल इकाई (एनआईसीयू) में आग लगने कम से कम 10 बच्चों की मौत के बाद पाठक झांसी पहुंचे और इस दौरान उनके साथ प्रमुख सचिव (स्वास्थ्य) भी मौजूद थे। एक वीडियो संदेश में पाठक ने कहा, ''मेरे झांसी मेडिकल कॉलेज पहुंचने से पहले एक व्यक्ति सड़क किनारे चूना डाल रहा था, जो बेहद दुखद है। मैं इसकी निंदा करता हूं और मैं जिलाधिकारी से उस व्यक्ति की पहचान करने के लिए कहूंगा जिसने यह काम करवाया है और उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। मैं इसे कभी स्वीकार नहीं करूंगा।'' राज्य सरकार के बयान में कहा गया है कि घटना की

जानकारी मिलते ही आदित्यनाथ ने उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक और प्रमुख सचिव (स्वास्थ्य) को मौके पर भेजा। उत्तर प्रदेश के झांसी जिले में शुक्रवार रात महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज में आग लगने से 10 बच्चों की मौत हो गई। राज्य सरकार ने शनिवार को मृतकों के माता–पिता को पांच–पांच लाख रुपये की वित्तीय सहायता देने की घोषणा की। जिलाधिकारी (डीएम) अविनाश कुमार ने संवाददाताओं को बताया कि महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज की नवजात गहन चिकित्सा इकाई (एनआईसीयू) में शुक्रवार रात करीब पौने 11 बजे आग लग गई, जिसका कारण संभवतः शॉर्ट सर्किट था। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने शनिवार को 'पीटीआई–भाषा' से कहा, ''घटना में 10 नवजात की मौत हो गई है। झांसी मेडिकल कॉलेज के अन्य वार्ड में 16 बच्चों का इलाज जारी है।'' उन्होंने बताया कि यह घटना शॉर्ट सर्किट के कारण हुई और उन्होंने आश्वासन दिया कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

राहुल गांधी पर किरण रिजिजू का तंज

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तंज कसा है। उन्होंने दावा किया कि राहुल गांधी के संसद में आने के बाद से लोकसभा में बहस का स्तर गिर गया है। केंद्रीय संसदीय और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री महाराष्ट्र चुनाव के लिए प्रचार करने पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा और महायुति के पक्ष में एक अंडरकरंट है, और लड़की बहिन योजना से सत्तारूढ़ गठबंधन को फायदा होगा। रिजिजू ने दावा किया कि कई वरिष्ठ कांग्रेस सांसदों ने उनसे कहा है कि वे बहस और चर्चा चाहते हैं लेकिन विपक्ष के नेता को चिंता नहीं है क्योंकि वह बहस नहीं कर सकते हैं और कुछ गैर सरकारी संगठनों द्वारा दी गई चिटें पढ़ते हैं। उन्होंने गांधी की आलोचना करते हुए कहा कि उन्हें दलितों, आदिवासियों, संविधान और डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर के बारे में बोलने का अधिकार नहीं है। वक्फ (संशोधन) विधेयक के विरोध के बारे में पूछे जाने पर, रिजिजू ने कहा कि विधेयक संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान पारित किया जाएगा।

रत्नागिरी सीट से फिर जीत का चौका लगाएंगे उदय या उद्धव सेना बदलेगी समीकरण

मुंबई महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 की तारीखों का ऐलान होने के बाद से सभी सियासी दल अपनी–अपनी रणनीति के साथ चुनावी मैदान में उतर चुके हैं। वहीं सभी दलों और गठबंधन के उम्मीदवारों का भी ऐलान हो चुका है। राज्य में चुनाव प्रचार चरम पर है। राज्य की रत्नागिरी सीट बेहद अहम मानी जा रही है। वैसे तो महाराष्ट्र की अधिकतर सीटों की तरह रत्नागिरी सीट पर भी महाविकास अघाड़ी और महायुति के बीच सीधा मुकाबला है। लेकिन यहां के हालातों को देखते हुए इस सीट पर महायुति का पलड़ा भारी लग रहा है। बता दें कि महाराष्ट्र की सभी 288 सीटों पर 20 नवंबर 2024 को मतदान होना है। वहीं 23 नवंबर को नतीजों का ऐलान होगा। महाराष्ट्र में असली मुकाबला महायुति गठबंधन और महाविकास अघाड़ी गठबंधन के बीच है। जहां पर एक तरफ भाजपा, एनसीपी और शिवसेना है। फिलहाल यही गठबंधन सत्ता में हैं। तो वहीं दूसरी ओर कांग्रेस, शिवसेना (उद्धव गुट) और एनसीपी (शरद पवार) हैं। साल 2019 में रत्नागिरी विधानसभा सीट शिवसेना के खाते में गई थी। शिवसेना के उदय रवींद्र सामंत ने कांग्रेस पार्टी के सुदेश सदानंद मयेकर को 87,335 वोटों से हराया था। साल 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा के उम्मीदवार नारायण राणे ने शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के विनायक भाऊराव राउत को 47,858 वोटों के अंतर से हराकर जीत हासिल की थी। रत्नागिरी विधानसभा सीट से पिछले 3 बार से

अमित शाह का बड़ा दावा

मुस्लिमों को पिछले दरवाजे से आरक्षण देने की तैयारी कर रहे हेमंत सोरेन

रांची। गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर हमला करते हुए कहा कि वह श्कांग्रेस की मदद से पिछले दरवाजे से मुसलमानों को आरक्षण देने की तैयारी कर रहे हैं। शाह ने चेतावनी देते हुए कहा कि भाजपा इस तरह की किसी भी साजिश को सफल नहीं होने देगी। शाह ने झारखंड में आदिवासियों की घटती हुई आबादी के लिए भी हेमंत सोरेन को जिम्मेदार ठहराया। झारखंड के दुमका में एक रैली को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि हेमंत सोरेन कांग्रेस की मदद से पिछले दरवाजे से मुस्लिमों को आरक्षण देने की कोशिश कर रहे हैं। मैं चेतावनी देता हूं कि भाजपा हेमंत सोरेन और राहुल गांधी की ऐसी किसी भी योजना को सफल नहीं होने देगी। उन्होंने

आरोप लगाया कि झारखंड सरकार वोट बैंक के लिए घुसपैठ को बढ़ावा दे रही है। शाह ने आरोप लगाया कि श्हेमंत सोरेन आदिवासी आबादी में गिरावट के लिए जिम्मेदार हैं क्योंकि वह घुसपैठियों को झारखंड में घुसने और आदिवासी महिलाओं से शादी करने दे रहे हैं। इसकी वजह से घुसपैठिए यहां आदिवासियों की जमीन छीन रहे हैं। अमित शाह ने दावा किया कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की सरकार में झारखंड को 10 साल में 84,000 करोड़ रुपये दिए गए, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्य को 3.90 लाख करोड़ रुपये दिए। उन्होंने कहा हेमंत सोरेन भ्रष्टाचार और धन की लूट में लिप्त रहे, लेकिन 23 नवंबर को उनकी विदाई तय है। सत्ता के लालच ने हेमंत सोरेन को राजद–कांग्रेस की गोद में बैठने के लिए मजबूर किया, जिन्होंने झारखंड के निर्माण का ही विरोध किया था। शाह ने वादा किया कि सत्ता में आने के बाद भाजपा राज्य में उद्योग स्थापित करेगी, जिससे झारखंड के युवाओं को आजीविका की तलाश में दूसरे राज्यों में जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। अमित शाह ने कहा कि भाजपा सरकार परियोजनाओं के लिए लोगों को विस्थापित करने से पहले उनके पुनर्वास के लिए योजनाओं को सुनिश्चित करेगी। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासन में झारखंड को नक्सलवाद से मुक्त किया गया और जो कुछ भी बचा है, उसे मार्च 2025 तक खत्म कर दिया जाएगा।

विवाह उत्सव पर आधारित गूगल मीट द्वारा काव्यगोष्ठी सफलतापूर्वक सम्पन्न'

प्रयागराज । शहर समता विचार मंच विवाह गीतों पर आधारित शहर समता विचार मंच महिला काव्य गोष्ठी उमा मिश्रा प्रीति के संयोजन और संचालन में संपन्न हुई। रचना सक्सेना कार्यक्रम अध्यक्ष की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई ।इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि जय मोहन श्रीवास्तव विशिष्ट अतिथि उषा सक्सेना ध साधना शुक्ला । सरस्वती देवी की वन्दना साधना शुक्ला द्वारा की गयी। इस काव्य गोष्ठी में महिला विचार मंच शहर समता की सभी बहनों ने उमेश भाई को बेटे की विवाह के उपलक्ष्य में आशीर्वाद दिया और विवाह गीत की प्रस्तुति दी। अनीता दुबे, आशा जाकड़, पूनम पांडे सुंदर विवाह गीत की प्रस्तुति ने आयोजन में चार चाँद लगा दियें । धन्यवाद ज्ञापन उमा मिश्रा किया।

मंत्री नंदी के बेटे से ठगी का मामला : बरेली, कोलकाता व सिलीगुड़ी के बैंक खातों में जमा कराई गई रकम

प्रयागराज । कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल नंदी के बेटे की व्हाट्सएप पर तस्वीर लगाकर 2.08 करोड़ रुपये ठगी के मामले में साइबर पुलिस को अहम सुराग मिला है। पता चला है कि साइबर ठगों ने बरेली, कोलकाता और दार्जिलिंग के सिलीगुड़ी स्थित बैंक में रकम को जमा कराया है। पुलिस अब इन तीनों ही खातों का रिकॉर्ड खंगालने में जुटी है। जांच में यह भी पता चला है कि बरेली के आईसीआईसीआई बैंक, कोलकाता के एक्सिस बैंक और सिलीगुड़ी के यूको में पैसा जमा होने के बाद ठगों ने इन खातों से करीब 60 अन्य बैंक खातों में ठगी की रकम को ट्रांसफर कर दिया है। यह पैसे कोलकाता के अलावा कई अलग–अलग राज्यों में भेजे गए हैं। किसी खाते में 20 हजार तो किसी में लाखों रुपये भेजे गए हैं। पुलिस इन सभी बैंक खातों को फ्रीज करा दिया है। साथ ही खाताधारकों का रिकॉर्ड खंगाल ठगों की पहचान करने में जुट गई है। अफसरों का यह भी कहना है कि पुलिस को गुमराह करने के लिए साइबर ठग इस तरह का काम करते हैं। ताकि साइबर पुलिस उन तक न पहुंच पाए। बहरहाल, किन–किन खातों में पैसा गया है पुलिस सभी की लिस्ट बना चुकी है। बिजनेस डील तय होने की बात कहकर मांगे थे रुपये कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल नंदी के बेटे अभिषेक गुप्ता की इकावो एग्रो डेली प्रा. लि. नाम से कंपनी है। एफआईआर में कंपनी में बतौर अकाउंटेंट कार्यरत रितेश श्रीवास्तव ने पुलिस को बताया कि उनके मोबाइल नंबर पर मैसेज आया। इसमें कंपनी के डायरेक्टर अभिषेक की प्रोफाइल फोटो लगी थी। कंपनी के अकाउंट व आवश्यक मीटिंग से संबंधित जानकारी मांगने पर डिटेल भेज दी गई। बिजनेस डील फाइनल होने की बात कहकर बैंक खाता नंबर भेजा और क्लाइंट को पैसा भेजने को कहा था। फर्जी दस्तावेज पर खाता खुलने की आशंका शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि इन सभी राशियों के ट्रांजक्शन के बाद ठग को यूटीआर नंबर भेज दिया। शाम को जब अभिषेक से बात हुई तो उन्होंने मैसेज भेजने से इन्कार किया। जांच में पता चला है कि इन खातों को फर्जी दस्तावेजों से खोला गया है। बताया गया कि साइबर पुलिस की एक टीम जल्द ही इन ब्रांचों में जाएगी। ताकि, इन खातों के बारे में पूरी असलियत सामने आ सके।

योगी की सभा में बुलडोजर पर बैठकर पहुंचे भाजपा कार्यकर्ता, बुलडोजर बाबा जिंदाबाद के लगे नारे

प्रयागराज। फूलपुर विधानसभा क्षेत्र के सहसों में शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सभा हुई। सभा में बुलडोजर आकर्षण का केंद्र बना रहा। बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता

बुलडोजर पर सवार होकर सभा स्थल पर पहुंचे। बुलडोजर बाबा जिंदाबाद के नारे लगाते हुए कार्यकर्ता जब बुलडोजर से पहुंचे तो उन्हें देखने वालों की भीड़ लग गई। योगी आदित्यनाथ ने भाजपा प्रत्याशी दीपक पटेल के समर्थन में पहुंचे थे। नगर निगम वार्ड नंबर 25 के पार्षद सियाराम मौर्या ने बताया कि उनके वार्ड में यह जनसभा हो रही है और पहली बार सीएम योगी उनके वार्ड में आ रहे हैं। इसलिए मुख्यमंत्री के स्वागत में एक हजार से अधिक कार्यकर्ता बुलडोजर और डीजे लेकर सभा स्थल पर पहुंचे हैं।

पेयजल को लेकर नागरिकों का गुस्सा फूटा, विद्युत विभाग की मनमानी पर जताया आक्रोश

प्रयागराज। शहर के गोविंदपुरी इलाके कैलाशपुरी मुहल्ले में पेयजल की आपूर्ति न होने पर नागरिकों का गुस्सा फूट गया। मुहल्ले के बड़ी संख्या में नागरिकों ने सड़क पर बैठकर विरोध प्रदर्शन किया और विद्युत विभाग की व्यवस्था के खिलाफ नाराजगी जाहिर की। नागरिकों का कहना है कि पेयजल की आपूर्ति में बाधा आने के चलते लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। नागरिकों ने बताया कि गोविंदपुर पावर स्टेशन की लाइट ज्यादा देर तक ठप रहने के कारण पेयजल आपूर्ति की लिए बनी टंकी नहीं भर पाती है। इसके चलते आपूर्ति में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इसमें जलकल विभाग की कोई गलती नहीं है। विद्युत विभाग की ओर से काफी देर तक शट डाउन लेने के कारण टंकी भर नहीं पा रही है। यह समस्या काफी दिनों से बनी हुई है, लेकिन बिजली विभाग के अधिकारी चेत नहीं रहे हैं। यह सारी समस्या लाइट न होने के कारण ही हो रही है।

अखाड़ों को जमीन आवंटन शुरू होने से पहले छिड़ी रार, 25 प्रतिशत ज्यादा मांग रहे भूमि

प्रयागराज। महाकुंभ से पहले अखाड़ों को जमीन आवंटन की प्रक्रिया के साथ ही रार शुरू हो गई है। मेला प्रशासन की ओर से कम भूमि के प्रस्ताव पर अखाड़ों ने नाराजगी जताई है, जबकि मेला प्रशासन की ओर से पिछले वर्ष से अधिक भूमि अखाड़ों को देने का दावा किया गया है। बताया जा रहा है कि अखाड़ों की ओर से पिछले महाकुंभ की अपेक्षा 25 प्रतिशत तक भूमि बढ़ाने की मांग की जा रही है, जबकि मेला प्रशासन ने इससे हाथ खड़े कर दिए हैं। अब 18 और 19 नवंबर को अखाड़ों को जमीन आवंटित करने की तैयारी है। इसमें विवाद की आशंका को देखते हुए जमीन आवंटन से पहले मेला प्रशासन की ओर से अखाड़ों के प्रतिनिधियों से फिर वार्ता की जा सकती है। अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रविंद्र पुरी का कहना है कि महाकुंभ संतों का समागम होता है, जिसमें अखाड़ों से जुड़े देश–विदेश के संत–महात्मा पहुंचते हैं। ऐसे में अखाड़ों को पर्याप्त भूमि नहीं मिलने पर बड़ी संख्या में साधु–संत महाकुंभ में नहीं आ सकेंगे। उन्होंने कहा कि मेला प्रशासन की ओर से अधिक से अधिक संस्थाओं को भूमि आवंटित करने पर जोर दिया जा रहा है, जबकि अखाड़ों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। दूसरी ओर मेला प्रशासन का कहना है कि अखाड़ों को पिछले महाकुंभ की तुलना में इस बार अधिक जमीन दी जा रही है, लेकिन अखाड़ों की ओर से 25 प्रतिशत तक भूमि बढ़ाने की मांग की जा रही है, जो संभव नहीं है। विदित हो कि पिछले महाकुंभ में करीब पांच हजार संस्थाओं को जमीन आवंटित की गई थी, जबकि इस बार इनकी संख्या सात हजार से अधिक होने की संभावना जताई जा रही है। यही कारण है कि महाकुंभ मेले का क्षेत्रफल बढ़ने के बाद भी एकबार फिर जमीन आवंटन से पहले रार शुरू हो चुकी है। विदित हो कि महाकुंभ में अखाड़ों के बीच विवाद कोई नई बात नहीं है। इससे पूर्व पेशवाई, शाही स्नान का समय निर्धारण, अखाड़ों की प्राथमिकता और सुविधाओं के बंटवारे को लेकर विवाद होते रहे हैं। दरअसल, अखाड़े अपने अधिकारों और परंपराओं को लेकर बेहद संवेदनशील होते हैं, जो अक्सर टकराव का कारण बनते हैं। यही नहीं नए अखाड़ों को शामिल करने और उन्हें अधिकार देने पर पुराने अखाड़े असंतोष व्यक्त करते हैं, जो कई बार विवाद का कारण बने हैं।

पीएमओ की टीम ने महाकुंभ की तैयारियों का लिया जायजा, परियोजनाओं का किया स्थलीय निरीक्षण

प्रयागराज।महाकुंभ की तैयारियों का जायजा लेने के लिए पीएम मोदी के दूत प्रयागराज पहुंच गए हैं। चार सदस्यीय टीम ने महाकुंभ के तहत चल रहे कार्यों की समीक्षा की। मेला प्राधिकरण कार्यालय में शनिवार को अधिकारियों के साथ बैठक की। आईट्रिपलसी में कुंभ मेलाधिकारी विजय किरन आनंद ने प्रजेंटेशन के माध्यम से अधिकारियों को सभी कार्यों के उद्देश्य, औचित्य और उसकी प्रगति के बारे में जानकारी दी। प्रधानमंत्री कार्यालय के उप सचिव मंगेश घिल्डियाल के नेतृत्व में पहुंची टीम में कार्तिकेयन कूलाथुमन वीपीध स्पेशल प्रोजेक्ट, अरिहंत कुमार, लीड एवं एवीपी (पीएमजी) एवं मेहुल शर्मा शामिल हैं। मेलाधिकारी ने रायबरेली हाईवे, बेगम बाजार पुल, अलोपीबाग पुल, हनुमान मंदिर कॉरिडोर, अक्षयवट कॉरिडोर समेत महाकुंभ के तहत चल रहे सभी कार्यों की समीक्षा की और उनके औचित्य के बार में जानकारी ली। पीएमओ की टीम ने शुक्रवार को महाकुंभ के मद्देनजर चल रही रेलवे की तैयारियों का जायजा लिया था। प्रयागराज जंक्शन स्थित कंट्रोल टावर देखने के साथ भीड़ प्रबंधन (क्राउड मैनेजमेंट) के लिए बनाए गए यात्री आश्रय स्थल का भी निरीक्षण किया था। पीएमओ के उपसचिव मंगेश घिल्डियाल, कार्तिकेयन कूलाथुमन, वीपीध्स्पेशल प्रोजेक्ट, अरिहंत कुमार, लीड एवं एवीपी (पीएमजी) एवं मेहुल शर्मा ने जंक्शन पर रेलवे अफसरों से भीड़ प्रबंधन के बारे में जानकारी ली। रेलवे अफसरों ने बताया कि जंक्शन के कंट्रोल टावर से ही शहर के सभी स्टेशनों पर मौजूद भीड़, संगम क्षेत्र एवं मेला क्षेत्र से आने वाले रास्तों पर लगे सीसीटीवी कैमरे से लाइव फीड देखी जा सकेगी। इसके अलावा अतिरिक्त एफओबी का निर्माणध्मरम्मत, वॉशिंग लाइनों का निर्माणध्उन्नयन, यात्री सूचना प्रणाली का विस्तार, सर्कुलेटिंग एरिया में सुधार, सीसीटीवी और सुरक्षा व्यवस्था के बारे में भी जानकारी दी गई। वहीं, डीआरएम ऑफिस में एडीआरएम संजय कुमार सिंह की मौजूदगी में पीएमओ के अफसरों को महाकुंभ के दौरान चलाई जाने वाली ट्रेनों की दिशावार योजना और प्रयागराज क्षेत्र के स्टेशनों की क्षमता से टीम को अवगत कराया। पावर प्वाइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से भी कुंभ की तैयारियों के बारे में जानकारी दी गई।

प्रधानमंत्री के आगमन के साथ देश-विदेश में तेज होगी महाकुंभ की ब्रांडिंग

प्रयागराज। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन के साथ ही महाकुंभ की देश–विदेश में ब्रांडिंग भी तेज हो जाएगी। संगम और सभा स्थल पर प्रधानमंत्री के लिए सेल्फी प्वाइंट बनाए जाएंगे। वहां लिए गए फोटोग्रॉफ्स को सोशल मीडिया पर साझा करने के साथ ब्रांडिंग का भी आगाज होगा। प्रधानमंत्री के 13 दिसंबर के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर प्रशासन के अफसर मौन हैं लेकिन तैयारी तेज कर दी गई है। प्रधानमंत्री मेला क्षेत्र के अलावा शृंग्वेरपुर भी जाएंगे। ऐसे में संगम तथा शृंग्वेरपुर को सजाने के साथ अन्य तैयारियों का भी खाका तैयार किया जा रहा है। प्रधानमंत्री का संगम पूजन एवं मंदिरों में दर्शन के साथ सभा का कार्यक्रम भी प्रस्तावित है। ऐसे में संगम के साथ सभा स्थल पर भी सेल्फी प्वाइंट बनाने की तैयारी है। इसी के साथ मेला क्षेत्र में हर प्रमुख स्थलों पर भी सेल्फी प्वाइंट बनाए जाएंगे। प्रधानमंत्री ने कुंभ–2019 में सेल्फी लेने के बाद उसे सोशल मीडिया पर अपलोड करने के साथ देश–विदेश से लोगों को महाकुंभ में आने की अपील की थी। इसके बाद विदेश में महाकुंभ के प्रचार के लिए रोड शो समेत कई आयोजन हुए थे। प्रधानमंत्री के बाद विदेशी प्रतिनिधिमंडल भी महाकुंभ देखने आया था। इस बार भी कुछ वैसी ही तैयारी की जा रही है, ताकि प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के बाद महाकुंभ का प्रचार–प्रसार किया जा सके। महाकुंभ का थीम इस बार स्वच्छ एवं प्लास्टिक मुक्त रखा गया है। इसके तहत अभियान भी शुरू हो गया है। संगम और गंगा की सफाई एवं प्लास्टिक से मुक्त रखने के लिए 1500 गंगा सेवादूत भी तैनात किए जाएंगे। इसके अलावा चार लाख छात्र–छात्राओं को भी इस अभियान से जोड़ा जाएगा। प्रधानमंत्री का इन गंगा सेवादूतों तथा चुनिंदा विद्यार्थियों से भी संवाद का कार्यक्रम संभावित है। इसके माध्यम से वह स्वच्छता एवं प्लास्टिक मुक्त देश की अपील करेंगे।

यूपी के बाहर से इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने पर नहीं मिलेगी रोड टैक्स में छूट, जमा करना पड़ेगा कर

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जम्मू से खरीदे इलेक्ट्रिक वाहन का यूपी में पंजीकरण कराकर चलाने पर रोड टैक्स में छूट की मांगने वाली याचिका खारिज कर दी। कहा कि सरकार की दलीलें सही हैं कि दूसरे राज्य से वाहन खरीदने पर राजस्व का नुकसान होता है। राज्य में वाहन खरीदने पर रोड टैक्स में छूट की शर्त लगाना राज्य की शक्ति में है। इसे अनुचित नहीं कहा जा सकता है। यह आदेश मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली व विकास बुधवार की खंडपीठ ने गौतमबुद्ध नगर के मेसर्स बत्रा हेनले केबल्स की याचिका पर दिया है। याची ने जम्मू से एक इलेक्ट्रिक वाहन खरीदकर उसका पंजीकृत यूपी में कराया है। उन्हें रोड टैक्स के रूप में एक लाख 91 हजार 900 रुपये भुगतान करना था। जबकि, उत्तर प्रदेश इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माण एवं गतिशीलता अधिनियम–2022 के तहत यहां इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने वालों को रोड टैक्स में छूट दी जा रही है।

याची ने रोड टैक्स का भुगतान करने से इन्कार कर दिया। इसके बाद राज्य में वाहन खरीदने की शर्त को अवैध बताते हुए हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर चुनौती दी। राज्य के वकील निमाई दास व अन्य ने दलील दी कि याची को छूट मांगने का कोई अधिकार नहीं है। छूट देने की शर्तों को राज्य ने अधिनियम में शामिल किया है। राज्य में वाहन खरीदने पर राज्य को जीएसटी का हिस्सा मिलता है। जबकि, बाहर से वाहन खरीदने पर राज्य को कोई लाभ नहीं मिलता है। इसलिए लगाई गई शर्त को अवैध नहीं कहा जा सकता।

एसआरएन अस्पताल में दो महीने बाद फिर से शुरू हुई रेडियोथेरेपी, लाइसेंस रिन्यू का फंसा था पेच

प्रयागराज। लाइसेंस रिन्यू होने के बाद स्वरूप रानी नेहरु अस्पताल (एसआरएन) में रेडियोथेरेपी फिर से शुरू हो गई है। दो महीने से रेडियोथेरेपी पूरी तरह बंद थी। मानक पूरे नहीं होने पर मुंबई की एटॉमिक एनर्जी रेगुलेटरी बोर्ड (एईआरबी) ने रेडियोडाग्नोसिस के लाइसेंस को एक साल से रिन्यू नहीं किया था। इसका प्रभाव रेडियोथेरेपी विभाग पर भी प्रभाव पड़ा। वर्ष 2018 में एईआरबी ने मोती लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के नाम पर रेडियोडाग्नोसिस विभाग को लाइसेंस दिया था। हर पांच वर्ष में इसका रिन्यूअल होता है। लाइसेंस की अवधि में हर साल अल्ट्रासाउंड और एक्सरे की मशीन की गुणवत्ता को परखा जाना था। एमएलएन मेडिकल कॉलेज को इसकी रिपोर्ट एईआरबी को देनी थी। इस दौरान देखा जाता कि मरीज की जांच के दौरान मशीन से निकल रहा रेडिएशन मानक के अनुरूप है या नहीं। मगर लापरवाही की वजह से इस काम को ठीक ढंग से नहीं किया गया। वर्ष 2020 में निरीक्षण के दौरान एईआरबी की टीम को एक्सरे व अल्ट्रासाउंड मशीन मानकों के अनुरूप नहीं मिली। इस टीम ने आपत्ति जताई थी। वहीं, वर्ष 2023 में अवधि समाप्त होने के बाद एईआरबी ने लाइसेंस रिन्यू करने से इन्कार कर दिया। करीब एक साल तक लाइसेंस रिन्यू कराने के लिए एमएलएन मेडिकल कॉलेज को तमाम परेशानियों का सामना करना पड़ा। इस वजह से करीब दो महीने पहले कैंसर मरीजों को मिलने वाली निशुल्क रेडियोथेरेपी की प्रक्रिया रोकनी पड़ी और मरीजों को आसपास के जिलों में रेफर किया जाने लगा। एसआरएन अस्पताल के रेडियोथेरेपी विभाग में ढाई–ढाई महीने तक मरीजों की प्रतीक्षा सूची रहती है। निजी अस्पताल में रेडियोथेरेपी कराने के लिए मरीजों को दो से ढाई लाख रुपये तक देने पड़ते हैं। वहीं, एसआरएन अस्पताल में रेडियोथेरेपी कैंसर के मरीजों को निशुल्क उपलब्ध है। यहां सिर्फ प्रयागराज ही नहीं बल्कि अन्य जिलों के मरीज भी रेडियोथेरेपी कराने आते हैं। प्रतिदिन 70 से 80 मरीजों की रेडियोथेरेपी होती है। लाइसेंस रिन्यू को लेकर कुछ समय के लिए परेशानी आई थी। इसे अब दूर कर लिया गया है। कैंसर मरीजों को निशुल्क रेडियोथेरेपी की सुविधा दी जा रही है।

पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा के लिए 1758 केंद्रों की पड़ेगी जरूरत, केंद्र निर्धारण आयोग के लिए चुनौती

प्रयागराज। शासन ने पीसीएस परीक्षा को विशिष्ट मानते हुए केंद्र निर्धारण प्रक्रिया में छूट दे दी है लेकिन आरओध एआरओ परीक्षा को विशिष्टता की श्रेणी में नहीं रखा गया है। ऐसे में उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) को आरओध्एआरओ परीक्षा के लिए केंद्र निर्धारण में चुनौती का सामना करना होगा। पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा–2024 के लिए 5,76,154 अभ्यर्थियों ने आवेदन किए हैं। इन अभ्यर्थियों की परीक्षा कराने के लिए आयोग को 1758 केंद्रों की आवश्यकता पड़ेगी। केंद्र निर्धारण प्रक्रिया में छूट मिलने से पहले आयोग ने सभी 75 जिलों केंद्र बनाने की कवायद की थी और शासन की ओर से निर्धारित मानक के अनुसार आयोग को 978 केंद्र ही सके थे, जिनमें 4,35,074 अभ्यर्थियों की परीक्षा ही कराई जा सकती थी। शासन की ओर से जून–2024 में जारी गाइडलाइन में स्पष्ट किया गया था कि पांच लाख से अधिक अभ्यर्थी होने पर परीक्षा एक से अधिक पालियों में कराई जाएगी। हालांकि, पीसीएस परीक्षा को विशिष्ट मानते हुए इस अनिवार्यता से अलग रखा गया था लेकिन केंद्र निर्धारण की नीति को इतना सख्त कर दिया गया कि आयोग को पर्याप्त संख्या में केंद्र ही नहीं मिले और पीसीएस परीक्षा दो दिन में कराने का निर्णय लेना पड़ा। अब अभ्यर्थियों के आंदोलन के बाद आयोग ने जब एक दिन में परीक्षा कराने का निर्णय लिया है तो पीसीएस परीक्षा को विशिष्ट मानते हुए केवल इसी परीक्षा के लिए केंद्र निर्धारण की नीति को शिथिल किया गया है और शहर से 10 किमी के दायरे से बाहर भी परीक्षा केंद्र बनाने की छूट दे दी गई है। लेकिन शासन की जारी गाइडलाइन में आरओध एआरओ परीक्षा विशिष्टता की श्रेणी में शामिल नहीं हैं। ऐसे में अगर आयोग को आरओध एआरओ परीक्षा एक दिन में करानी है तो इस परीक्षा को भी विशिष्टता की श्रेणी में शामिल करते हुए केंद्र निर्धारण की नीति को शिथिल करना होगा। आरओध्एआरओ परीक्षा के लिए 10,76,004 अभ्यर्थियों ने फॉर्म भरे हैं। जब पीसीएस परीक्षा के लिए मानक के अनुरूप केंद्र नहीं मिल रहे थे तो आरओध एआरओ परीक्षा के लिए पर्याप्त संख्या में केंद्र कहां से आएंगे।

हाईकोर्ट : बिना कारण दर्ज किए आदेश पारित करना न्याय का उल्लंघन, भूमि से बेदखल करने का आदेश रद्द

प्रयागराज । इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा, बिना कारण दर्ज किए आदेश पारित करना प्राकृतिक न्याय का उल्लंघन है। यह टिप्पणी कर

न्यायमूर्ति प्रकाश पाडिया ने हापुड़ के गढ़मुक्तेश्वर तहसीलदार का विवादित भूमि से याची को बेदखल करने का आदेश रद्द कर दिया। कहा कि पक्षों को सुनने के बाद चार माह में नया आदेश पारित करें। तहसीलदार ने 29 जनवरी 2024 को याची को विवादित जमीन से बेदखल करने का आदेश पारित किया था। कहा कि याची ने ग्रामसभा की भूमि पर अवैध कब्जा कर रखा है। एक लाख 20 हजार चार सौ 88 रुपये हर्जाना भी लगाया गया। इस आदेश में कोई कारण दर्ज नहीं किया गया था। ऐसे में याची ने इसे हाईकोर्ट में चुनौती दी। याची के वकील राकेश त्रिपाठी ने दलील दी कि तहसीलदार की ओर से बिना कोई कारण दर्ज किए आदेश पारित किया गया है। हर्जाना क्यों लगाया है, इसका भी कोई कारण दर्ज नहीं किया गया है। न्यायालय के आदेश का हवाला दिया कि कोई भी आदेश बिना कारण दर्ज किए जारी नहीं किए जाएंगे।

डीएम के आदेश पर कब्र से निकाला गया पांचवीं के छात्र का शव, कराया जाएगा पोस्टमार्टम

प्रयागराज। नवाबगंज के कुरेशर घाट पर दफन किए गए छात्र के शव को शनिवार को कब्र से बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। थाना होलागढ़ सरांय बाहर खरगापुर निवासी घनश्याम मौर्य के बेटे दिव्यांशु (10) की 25 अक्तूबर की रात तबियत बिगड़ने के बाद सोरांव के अस्पताल में मौत हो गई थी। बताया गया कि दिव्यांशु प्राथमिक पाठशाला बाहर सराय खरगापुर में पांचवीं का छात्र था। 25 अक्तूबर को ब्लॉक संसाधन केंद्र होलागढ़ में खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। परिजनों का आरोप है कि प्रतियोगिता के दौरान बाइक की टक्कर से दिव्यांशु को चोटे आई थीं। विद्यालय के अध्यापक ने कहा कि यदि घर में बताया तो स्कूल से नाम काट दूंगा। छात्र ने दुर्घटना की बात घर में नहीं बताई। 25 अक्तूबर की देर रात अचानक तबियत बिगड़ने पर उसको सोरांव के एक अस्पताल में दाखिल कराया गया। जहां 26 अक्तूबर की सुबह इलाज के दौरान दिव्यांशु मौत हो गई। परिजनों ने छात्र के शव को कुरेसर घाट पर दफन कर दिया। बताया गया कि घटना के दूसरे दिन दिव्यांशु के परिजन स्कूल की तरफ गए तो पता चला कि दिव्यांशु बाइक की टक्कर घायल हुआ था। जिसकी शिकायत परिजनों ने जिलाधिकारी से की थी। डीएम के आदेश पर शनिवार को एसीपी सोरांव जंग बहादुर यादव होलागढ़ पुलिस के साथ कुरेसर घाट पर पहुंचे और छात्र के शव को कब्र से बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेजवाया।

मेला क्षेत्र में आग लगने पर केवल दो मिनट में पहुंचेंगे दमकलकर्मी, बनेंगे दो हजार से अधिक फायर स्टेशन

प्रयागराज। महाकुंभ मेला क्षेत्र को फायर फ्री जोन बनाया जाएगा। इसके लिए अग्निशमन विभाग ने मैनपावर और स्पेशल फायर वाहनों की संख्या में भारी वृद्धि की है, साथ ही अत्याधुनिक उपकरणों का भी इस्तेमाल किया जाएगा। आग लगने पर मात्र दो मिनट में दमकल की गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंचेंगी और आग पर काबू पाने का प्रयास करेंगी। महाकुंभ के नोडल अधिकारी प्रमोद शर्मा ने बताया कि इस बार महाकुंभ को जीरो फायर इंसिडेंट बनाने का पूरा प्रयास किया गया है। इसमें 200 स्पेशल ट्रेंड रेस्क्यू ग्रुप को तैनात किया जा रहा है। अखाड़ों में आग की घटनाओं को काबू करने के लिए 5000 स्पेशल फायर एक्सटिंग्विशर दिए गए हैं। मेले में बड़ी संख्या में एआई लाइसेंस वाले फायर डिटेक्शन कैमरे भी लगाए जाएंगे। यह कैमरे भी पहली बार उपयोग में लाए जा रहे हैं जो आग की घटनाओं पर नजर रखेंगे और यदि कहीं इस तरह की घटना होती है तो तत्काल कंट्रोल रूम के माध्यम से फायर स्टेशन को सूचना मिल सकेगी। हर सेक्टर में तैनात होंगे दमकलकर्मी वर्ष 2019 कुंभ की तुलना में इस बार अधिक मैनपावर और वाहन होंगे। वर्ष 2019 में 43 फायर स्टेशन थे, जबकि इस बार 50 फायर स्टेशन बनाए जा रहे हैं। इसी तरह 2019 के 15 फायर पोस्ट की जगह 20 फायर पोस्ट बनाई जा रही है। 43 की तुलना में 50 फायर वाच टावर होंगे, जबकि 4200 की जगह 7000 से अधिक फायर हाइड्रेंट्स लगाए जा रहे हैं। इसके अलावा 75 की जगह इस बार 150 से ज्यादा फायर रिजर्व वाटर टैंक्स को उपयोग किया जाएगा। वर्ष 2019 में 1551 कर्मी थे, इस बार 2071 कर दी गई है। इसी तरह वर्ष 2019 में 166 वाहनों की संख्या दोगुनी कर 351 कर दी गई है। वहीं, एक्सटर्नल ऑडिट के लिए उत्तराखंड फायर एंड इमरजेंसी सर्विस और नेशनल फायर सर्विस कॉलेज नागपुर के साथ एमओयू किया गया है। महाकुंभ की तैयारियों का जायजा लेने के लिए शुक्रवार को पीएम मोदी के दूत प्रयागराज पहुंचे। प्रधानमंत्री कार्यालय के उपसचिव मंगेश घिल्डियाल के नेतृत्व में पहुंची चार सदस्यीय टीम ने सबसे पहले रेलवे की तैयारी का जायजा लिया।

बेगम बाजार रेल पुल पर शुरू हुआ यातायात, छह साल से चल रहा था कार्य

प्रयागराज। करीब छह साल के लंबे इंतजार के बाद शुक्रवार से बेगम बाजार रेलवे पुल पर आवागमन शुरू हो गया। कुंभ 2019 को ध्यान में रखते हुए बेगम बाजार आरओबी का निर्माण 2017–18 में शुरू किया गया। मगर एयरफोर्स की आपत्ति की वजह से पुल का निर्माण कार्य लंबे समय तक रुका रहा। इस पुल के शुरू होने से सिर्फ स्थानीय ही नहीं बल्कि कौशाम्बी आने–जाने वाले लोगों को भी काफी सहूलियत होगी। महाकुंभ 2025 परियोजना में इस पुल को शामिल किया गया था। 2017–18 में जब पुल का निर्माण शुरू हुआ, तब इसकी लागत 46.48 करोड़ रुपये थी। वायुसेना की आपत्ति के बाद जब निर्माण रोका गया तब तक इसका 92 फीसदी काम पूरा हो चुका था। इसके बाद वायुसेना को 67 करोड़ रुपये मुआवजा दिया गया। साथ ही पुल निर्माण की जद में आ रहे मकानों को हटाने और भूमि अधिग्रहण में खर्च के लिए भी 30 करोड़ रुपये मुआवजे के रूप में दिए गए। इस तरह पुल का बजट 97 करोड़ रुपये और बढ़ गया। ऐसे में अक्तूबर 2018 में रोका गया निर्माण कार्य सितंबर 2024 में फिर शुरू किया गया।

स्वास्थ्य विषय पर संगोष्ठी संपन्न

प्रयागराज सगार्डन एसोसिएशन इलाहाबाद के तत्व अवधान में बागवानी और स्वास्थ्य विषय पर एक संगोष्ठी जॉर्ज टाउन स्थित डॉ वंदना बंसल के गार्डन में संपन्न हुई। अतिथियों का स्वागत करते हुए गार्डन संगठन की अध्यक्ष प्रभाकर ने कहा कि हमें स्वस्थ रहना है तो पेड़ पौधों के बीच रहें। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ वंदना बंसल का परिचय देते हुए गार्डन संगठन की उपाध्यक्ष स्मिता अग्रवाल ने कहा कि डॉ वंदना बंसल एक इनफर्टिलिटी विशेषण की लेप्रोस्कोपिक सर्जन एवं कुशल स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ हैं और बागवानी में उनकी विशेष रुचि है। डॉ वंदना बंसल ने कहा कि हमें अपने स्वास्थ्य के लिए कुछ समय जरूर देना चाहिए क्योंकि स्वास्थ्य ही हमारी सबसे बड़ी पूंजी है। प्रदा अवस्था में हमें स्वस्थ रहने के लिए कौन से परीक्षण करवाने चाहिए और कौन से पोषक तत्व लेने चाहिए इसकी जानकारी दी। वृद्धावस्था में लगाए जाने वाली वैक्सीन्स की उन्होंने जानकारी दी।उन्होंने कहा की हमें घरेलू उपायों पर भी ध्यान देना चाहिए जैसे गले में तकलीफ हो तो अमरूद के ताजे पत्ते पानी में उबालकर चाय के रूप में उसे पियें , बहुत लाभ होगा । नीम की कोपल और तुलसी के पत्तों का सेवन नियमित रूप से करना चाहिए। योग एवं ध्यान से हमारा मां और चित्त एकाग्र होता है। हमें अपने आध्यात्मिक एवं सामाजिक स्वास्थ्य पर भी ध्यान देना होगा। अच्छे लोगों के साथ कुछ समय बिताएं जिससे आपमें सकारात्मक आएगी। प्रकृति के साथ थोड़ा समय जरूर बताएं इससे हमारी सृजनात्मक बढ़ती है और हम ताजगी का अनुभव भी करते हैं। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि कविता लेखन बगीचे में बैठ कर पेड़–पौधों के समीप में रहकर बेहतर होता है। वहां उपस्थित लोगों के आग्रह पर उन्होंने अपनी तीन कविताएं पढ़ीं –ष्खुद से बढ़कर मुझको कोई साथी अब तक मिला नहींष... मेडिकल कॉलेज के छात्र जीवन में लिखी कविता–ष्अब मैं ठहरे हुए तालाब की तरह स्थिर जिंदगी में, बीते हुए कल के कंकड़ फेंक कर लहरें नहीं गिनती..., ष्जीने की कला सिखाती है प्रकृति, सूने जीवन में अपनी छटाओं से रंग बिखराती है प्रकृति। पतझड़ के मौसम में जब निराशा छा जाती, बसंत अब आएगा यह दिलासा दिलाती है प्रकृति।ष

धन्यवाद ज्ञापन डॉ बबीता अग्रवाल ने दिया कार्यक्रम का संचालन अंशुमालिका ने किया। इस अवसर पर न्यायमूर्ति पूनम श्रीवास्तव चंद्रकांता पांडे, डॉ शान्ति चौधरी, भावना शिक्षार्थी, पूजा, डॉ साक्षी, राजलक्ष्मी शुक्ला, किरण चावला सुषमा कपूर समेत अनेक महिलाएं उपस्थित रहीं।

मंत्री नंद गोपाल नंदी के साथ ठगी, अकाउंट से निकाले गए 2 करोड़ रुपये

लखनऊ,(एजेंसी)। साइबर ठगी के मामले काफी ज्यादा बढ़ गये है।उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी साइबर ठगी का शिकार हो गए हैं। उनके अकाउंटेंट रितेश श्रीवास्तव से 2 करोड़ 8 लाख की ठगी हुई है।मंत्री नंदी के बेटे के नाम से साइबर ठगो ने अकाउंटेंट को फंसा कर ठगी को अंजाम दिया। जैसे ही अकाउंटेंट को पता लगा कि वो ठगी का शिकार हो गए हैं, उन्होंने साइबर पुलिस को इसकी जानकारी दी।अकाउंटेंट रितेश श्रीवास्तव से साइबर ठगो ने मंत्री नंदी का बेटा बनकर ठगी की। साइबर ठगो ने अकाउंटेंट को झांसे में फंसाकर मंत्री का बेटा बनकर कहा, मैं बिजनेस मीटिंग में हूं, पैसों की जरूरत है, जल्दी से पैसे भेजो। अकाउंटेंट को लगा कि मंत्री के बेटे ही पैसे ट्रांसफर करने के लिए कह रहे हैं और उन्होंने पैसे साइबर ठगो के बताए हुए नंबर पर ट्रांसफर कर दिए। अकाउंटेंट ने एक नहीं बल्कि तीन अलग–अलग बैंक अकाउंट में पैसे ट्रांसफर कर दिए।ठगो को पैसे ट्रांसफर करने के बाद अकाउंटेंट रितेश श्रीवास्तव को जैसे ही इस बात का अंदाजा हुआ कि जिन नंबरों पर उन्होंने पैसे भेजे हैं, वो न ही मंत्री का है और न ही उनके बेटे का है, तो वो घबरा गए और साइबर पुलिस को जानकारी दी। साइबर पुलिस मुकदमा दर्ज कर जांच में जुट गई है।जिन खातों में अकाउंटेंट ने पैसे ट्रांसफर किए अब उनकी जांच हो रही है। उन तीनों बैंक खातों को फ्रीज कराने का आदेश दिया गया है। देश में साइबर ठगी के मामले बढ़ रहे हैं। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के आंकड़ों के मुताबिक वित्तीय वर्ष 2024 में साइबर ठगी के मामलों में उछाल आया है।2024 में 75, 800 साइबर ठगी के मामले सामने आए और 421 करोड़ रुपये की ठगी हुई। वित्तीय वर्ष 2023 में 2, 92, 800 केस सामने आए 2,054 करोड़ की ठगी दर्ज की गई. साइबर ठगी को लेकर लोगों को जागरूक करने का काम किया जा रहा है।

जनजाति गौरव दिवस बिरसा मुंडा जन्म जयंती पर संगोष्ठी का आयोजन

लखनऊ,(एजेंसी)। शनिवार को नवयुग कन्या महाविद्यालय राजेंद्र नगर एवं अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के संयुक्त तत्वाधान में जनजाति गौरव दिवस बिरसा मुंडा जन्म जयंती पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया, कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ किया गया इसके उपरांत कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रोफेसर नीतू सिंह–मानव विज्ञान विभाग, विद्यांत हिंदू पीजी कॉलेज, लखनऊ एवं विशिष्ट वक्ता प्रोफेसर सुषमा त्रिवेदी–इतिहास विभाग नवयुग कन्या महाविद्यालय एवं प्राचार्य प्रोफेसर मंजुला उपाध्याय को स्मृति चिन्ह, पुष्प तथा पौध द्वारा सम्मानित करने के साथ किया गया, कार्यक्रम की विशिष्ट वक्ता इतिहास विभाग की प्रोफेसर सुषमा त्रिवेदी ने जनजातीय नेता भगवान बिरसा मुंडा के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला और कहा कि उन्होंने जन संरचना परिवर्तन में बहुत बड़ा योगदान दिया था, इन्होंने 15 वर्ष की लघु उम्र से ही अंग्रेजी शासन के खिलाफ लड़ाई शुरू की और मात्र 25 वर्ष में अंग्रेजों के विरुद्ध लड़ते हुए शहीद हुए द्यउन्होंने पर्यावरण संरक्षण तथा सांस्कृतिक संरक्षण जैसे मुद्दे उठाए क्योंकि जनजातीय संस्कृति का अंग्रेजी शासन के कारण क्षरण हो रहा था जबकि अंग्रेजी शासन ने उनके द्वारा किए गए प्रयासों को उनके प्रति भ्रांतियां फैलाने में किया, प्रोफेसर त्रिवेदी ने सभी को बिरसा मुंडा के जीवन से प्रेरणा लेने के लिए प्रेरित किया और कहा कि ऐसे जननायको को पुनः समाज में स्थापित करना हमारा कर्तव्य है, कार्यक्रम की मुख्य अतिथि, मानव विज्ञान विभाग,विद्यात हिंदू पीजी कॉलेज एवं अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की प्रांत अध्यक्ष प्रोफेसर नीतू सिंह जी ने अपने उद्बोधान में बिरसा मुंडा के जनजातीय आंदोलन में महान योगदान पर प्रकाश डाला और कहा की सतत विकास की वास्तविक अवधारणा जनजातीय सोच से जुड़ी हुई है स उन्होंने कहा किस तरह से अंग्रेजों ने बांटो और राज करो की नीति को अपनाते हुए भारतीय संस्कृति का खंडन किया द्य आज हमारी सरकार इन जनजातियों के संरक्षण के लिए हर संभव प्रयास कर रही है, उन्होंने कहा की आदिवासी सभ्यता में महिलाओं का विशेष स्थान एवं योगदान है इसलिए हमें इस विचारधारा को अपनाने का हर संभव प्रयास करना चाहिए, प्राचार्य प्रोफेसर उपाध्याय ने अपने उद्बोधन में सभी मुख्य वक्ताओं को साधुवाद दिया।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं0: 11620242025 दिनांक: 14.11.2024

ई-टेण्डरिंग निविदा सूचना

मण्डल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्यों के लिये ई-निविदाएँ प्रपत्र पर **दिनांक 06.12.2024 को 13.30 बजे** तक आमंत्रित की जाती है। कार्यों का विवरण निम्न प्रकार है:-

निविदा नं.: 243	अनुमानित मूल्य (रू.): ₹ 95,19,862.81
कार्यों का विवरण: सहायक मंण्डल अभियन्ता/द्वितीय/कानपुर के अंतर्गत 5 वर्षों के लिए कालोनियों में नए पंप हाउस पर क्लोरीनीकरण संयंत्र की व्यवस्था द्वारा जलापूर्ति में सुधार का कार्य।	
बयाने की रकम (रू): ₹ 1,90,400.00	कार्य समापन की अवधि : 60 माह
निविदा खुलने की तिथि : 06.12.2024	
इलिजिबिलिटी क्राइटरिया के अन्तर्गत सिमिलर कार्य: पीने के पानी की कीटाणुशोधन के लिए जल उपचार संयंत्र की स्थापना/संचालन और रख-रखाव।	

नोट:- (1) आन लाइन निविदा **दिनांक 06.12.2024 को 13:30 बजे** तक प्रस्तुत की जा सकती हैं। (2) उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर समय 13:30 बजे टेण्डर **खुलने की तिथि** 06.12.2024 तक उपलब्ध है। **1988/24(A)**

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

भौतिक लोलुपता के दौर में पत्रकारिता की अस्मिता सहेजे रखना जरूरीः अशोक

करछना।आज के बदलते दौर में भौतिक लोलुपता के प्रभाव में निष्पक्ष,प्रभावीऔर विश्वसनीय पत्रकारिता की अस्मिता को सहेजे रखना बहुत जरूरी है। इस सच से इनकार नहीं किया जा सकता की बीते डेढ़ दशकों में प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का कैनवास बढ़ा है किन्तु इस परिधि में विशेष पत्रकारिता के संदर्भ में कई प्रश्न चिन्ह भी उठ खड़े हुए हैं।लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में समय और समाज के आमूल चूल स्वरूप का प्रतिबिम्ब रही पत्रकारिता जब कहीं न कहीं किसी विशेष प्रभाव के ग्लैमर से भटक रही हो,तो ऐसे में नए संकल्प के साथ अपनी मान्यताओं,अवधारणाओं और उद्देश्यों के प्रति प्रेस से जुड़े,युवा पत्रकारों

को और भी सजग रहना आवश्यक है। यह बातें आकाशवाणी और दूरदर्शन के कार्यक्रम प्रस्तोता,वरिष्ठ हास्य कवि एवं कालम राइटर अशोक सिंह बेशरम ने राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर कटका स्थित के.एन कान्वेंट स्कूल में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कही। उन्होंने कहा कि इंटरनेट के दौर में जन सेवाओं का सशक्त माध्यम बनी पत्रकारिता समसामयिक, सामाजिक,राजनैतिक,आध्यात्मिक,सांस्कृतिक,पारम्परिक,संस्कारिक घटनाक्रमों के प्रत्यक्ष आईने के रूप में अपने तथ्यपूर्ण विश्वसनीयता के लिए जानी जा रही है। ऐसे में कलम के सिपाहियों को चाहिए कि इसकी गरिमा बनाए रखने के लिए पूरी निष्ठा,और संकल्प के साथ बिना कोई समझौता किये अपने कर्म और धर्म के प्रति संवेदनशील रहें। जिससे जनजागृति और चेतना के सजग प्रहरी की मान्यताओं को लेकर एक सभ्य समाज में पत्रकार और पत्रकारिता के प्रति सच्ची और अच्छी सोच कायम रहे। नए कलमकारों से समाचार आदि लिखने को लेकर शब्दसंचयन और शैली के बारे में अनुभवी वरिष्ठ पत्रकारों की संगत कर उनसे समझने,सीखने और अमल करने के प्रति प्रेरित किया। इस दौरान प्रबंधक इंद्र कुमार अवस्थी ने बदलते दौर की पत्रकारिता में कठिन चुनौतियों का सामना करते हुए पत्रकारों का निष्पक्ष पत्रकारिता के प्रति आवाहन किया। इस मौके पर स्कूल के शिक्षक स्थानीय लेखकऔर बच्चे मौजूद

'राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर महासंघ द्वारा नई केन्द्रीय संचालन समिति घोषित'

राष्ट्रीय प्रान्तीय एवं आनुषांगिक प्रकोष्ठों सहित मण्डल एवं जिला / तहसील इकाइयों का गठन अति शीघ्र

प्रयागराज । देश भर के मान्य पत्रकारों, साहित्यकारों और कलमकारों के हितों की रक्षा के लिए कृतसंकल्पित संस्था भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ द्वारा राष्ट्रीय प्रेस दिवस (16 नवम्बर 24) के अवसर पर नई केन्द्रीय संचालन समिति का गठन कर दिया गया है जो राष्ट्रीय दायित्व के साथ साथ भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ को मार्गदर्शक मंडल के रूप में भी संचालित करेगी । भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय संयोजक ने वरिष्ठ पदाधिकारियों की संस्तुति के बाद नौ सदस्यीय केन्द्रीय संचालन समिति की घोषणा की जिसमें 1– श्री मुनेश्वर मिश्र , 2 – डॉ बालकृष्ण पाण्डेय , 3 – श्री मथुरा प्रसाद धुरिया ,4 – डॉ योगेन्द्र कुमार मिश्र विश्वबंधु , 5– डॉ अशोक मिश्र , 6 – श्री प्रभा शंकर ओझा , 7 – श्री पवनेश कुमार पवन, 8– श्री पुरुषोत्तम मिश्र एवं 9– डॉ भगवान प्रसाद उपाध्याय शामिल हैं। उपरोक्त संचालन समिति को 31 दिसम्बर 2024 तक राष्ट्रीय कार्यकारिणी के साथ साथ विभिन्न प्रकोष्ठों और प्रान्तों में महासंघ की नई कार्यकारिणी गठित करने और राष्ट्रीय महाधिवेशन आयोजन के लिए समितियों और उप समितियों के गठन की जिम्मेदारी दी गई है द्य उक्त संचालन समिति द्वारा शीघ्र ही विभिन्न इकाइयों को घोषित करने के लिए भी अधिकृत किया गया है ।

त्रिधारा नाट्य महोत्सव, सशक्त रंगभाषा और अभिनय की प्रस्तुति 'बाजी'

लालच और अहंकार की निरर्थकता को दिखाती दिलचस्प कहानी

प्रयागराज। त्रिधारा नाट्य महोत्सव शुरुआत बैकस्टेज संस्था के प्रभावशाली नाट्य प्रयोग बाजी से हुई। नाट्य प्रस्तुति का मुख्य विचार जीवन के मूल्य और धन के प्रति इंसान की लालसा को समझाने के साथ धन और आत्मिक विकास के बीच अंतर दिखाना है। नाट्य समारोह का उद्घाटन प्रसिद्ध विद्वान प्रो. हरिदत्त शर्मा और पूर्व संस्कृति मंत्री एवं कला संरक्षक सुभाष पांडेय ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। सुपरिचित रंगकर्मी प्रवीण शेखर निर्देशित रुचिकर रंगविन्यास, प्रभावी अभिनय और सघन कथा संरचना की इस प्रस्तुति में दिखाया गया है कि असली ज्ञान संसार की इच्छाओं से ऊपर उठने में है। अविनाश चंद्र मिश्र लिखित यह नाटक एंटन चेखव की कहानी श्द बेटश पर आधारित है। श्बाजीश जीवन की प्रकृति और मूल्य के बारे में एक शर्त है. अमीर श्री गोयलकृ जो मानते हैं कि मृत्युदंड आजीवन कारावास से अधिक मानवीय और नैतिक हैकृका तर्क है कि अनुभव, सुख और रिश्ते ही जीवन को जीने लायक बनाते हैं। उनके अनुसार, कैद में बिताया गया जीवन अनिवार्य रूप से एक जीवन नहीं है, इसके बजाय यह एक धीमी और निरंतर मृत्यु है। इसके विपरीत, युवा वकील श्री सक्सेना का तर्क है कि शबिल्कुल नहीं से बेहतर है जीवित रहना, किसी भी तरह जीना अपने आप में मरने से बेहतर है।श युवा वकील के तर्क में यह निहित है कि यदि कोई शारीरिक रूप से जीवित है, तो कोई भी उसकी परिस्थितियों की परवाह किए बिना जीवन को जीने लायक बना सकता है। दोनों तमाम तर्कों के बाद सहमत होते हैं कि अगर वकील दस साल के लिए कारावास सहन कर ले तो अमीर गोयल उसे एक बड़ी राशि देगा, यही वह दांव है. हालांकि, तकनीकी रूप से गोयल की जीत होती है, लेखक अंततः जीवन का अर्थ, स्वर्ग, नर्क से जुड़े तमाम सवाल छोड़ जाता है। नाटक में सतीश तिवारी (गोयल), अमर सिंह (वकील सक्सेना), प्रत्यूष वर्सने (पत्रकार तनेजा), दिलीप श्रीवास्तव (रामसेवक), नम्रता सिंह (श्रीमती गोयल) ने अपने अभिनय से दर्शकों की खूब प्रशंसा अर्जित की। प्रकाश योजना टोनी सिंह, संगीत व सहयोगी निर्देशन अमर सिंह, नेपथ्य कर्म कुमार अभिनव, सिद्धांत चंद्रा , शिवा, हीर, शीरी आदि था।

बालिका इंटर कॉलेज मऊ का वार्षिकोत्सव संपन्न

मऊ । आज बालिका इंटर कॉलेज मऊ चित्रकूट उत्तर प्रदेश के वार्षिकोत्सव के समापन के मुख्य अतिथि सम्माननीय महेंद्र भाई जी (योग शिक्षक चिंतक स्वतंत्र लेखक) रहे भाई जी ने बालिकाओं को शिक्षा के साथ–साथ स्वस्थ जीवन जीने के बारे में बताया एवं पर्यावरण संरक्षण जो कि मानव जीवन के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण विषय की जानकारी दी साथ ही साथ अष्टांग योग की पुस्तक सभी को वितरित की गई जिसको भाई जी ने स्वयं लिखी है। कार्यक्रम में श्री विनय प्रकाश जी विद्यालय प्रबंध कार्यकारिणी के वरिष्ठ सदस्य डॉक्टर शैलेश रस्तोगी श्री मुकेश रस्तोगी मदर मेरी कान्वेंट के प्रधानाचार्य श्री संजय जी उपस्थित रहे

कार्यक्रम के दूसरे सत्र के मुख्य अतिथि बांदा का ऑपरेटिव बैंक के अध्यक्ष श्री पंकज अग्रवाल जी विशिष्ट अतिथि प्रधान संघ अध्यक्ष मऊ प्रभात पांडे जी उपस्थित रहे श्री गुलाबचंद पांडे जी साधन सहकारी समिति बरगढ़ के अध्यक्ष श्री गंगा प्रसाद शुक्ला सेवानिवृत शिक्षक सुबोध शुक्ला सभासद दीनदयाल नगर, कस्बा इंचार्ज मऊ श्री वंश बहादुर जी, प्रकाश शुक्ला, श्रेयांश द्विवेदी ,श्री मणिकांत मिश्रा जी, प्रयागराज डॉ विकास द्विवेदी, डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद पांडे जी, विनय मिश्रा आदि लोग अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

विद्यालय के प्रबंधक डॉक्टर एस कुरील जी ने सभी अतिथियों का स्वागत किया विद्यालय के संरक्षक श्री सुंदर लाल सुमन जी ने कहा छात्राओं को अपने अधिकारों के बारे में जानना चाहिए एवं शिक्षा के प्रति विशेष लगाव रहना चाहिए छात्राएं खेल कूद और हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना की इसके पश्चात विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री अरुण कुमार द्विवेदी जी ने कार्यक्रम की समाप्ति की घोषणा की।

संक्षिप्त समाचार

झांसी में स्वागत के लिए सड़क किनारे चूना डाले जाने से उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक नाराज

लखनऊ,(एजेंसी)। झांसी के महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज पहुंचने से पहले स्वागत के लिए सड़क किनारे चूना डाले जाने से नाराज उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने शनिवार को झांसी के जिलाधिकारी से उस व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई करने को कहा, जिसने यह काम करवाया था। मेडिकल कॉलेज की नवजात शिशु देखभाल इकाई (एनआईसीयू) में आग लगने कम से कम 10 बच्चों की मौत के बाद पाठक झांसी पहुंचे और इस दौरान उनके साथ प्रमुख सचिव (स्वास्थ्य) भी मौजूद थे। शनिवार को एक वीडियो संदेश में पाठक ने कहा, ''मेरे झांसी मेडिकल कॉलेज पहुंचने से पहले एक व्यक्ति सड़क किनारे चूना डाल रहा था, जो बेहद दुखद है। मैं इसकी निंदा करता हूं और मैं जिलाधिकारी से उस व्यक्ति की पहचान करने के लिए कहूंगा जिसने यह काम करवाया है और उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। मैं इसे कभी स्वीकार नहीं करूंगा। राज्य सरकार के बयान में कहा गया है कि घटना की जानकारी मिलते ही आदित्यनाथ ने उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक और प्रमुख सचिव (स्वास्थ्य) को मौके पर भेजा। उत्तर प्रदेश के झांसी जिले में शुक्रवार रात महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज में आग लगने से 10 बच्च्चों की मौत हो गई। राज्य सरकार ने शनिवार को मृतकों के माता–पिता को पांच–पांच लाख रुपये की वित्तीय सहायता देने की घोषणा की। जिलाधिकारी (डीएम) अविनाश कुमार ने संवाददाताओं को बताया कि महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज की नवजात गहन चिकित्सा इकाई (एनआईसीयू) में शुक्रवार रात करीब पौने 11 बजे आग लग गई, जिसका कारण संभवतः शॉर्ट सर्किट था। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने शनिवार को कहा, ''घटना में 10 नवजात की मौत हो गई है। झांसी मेडिकल कॉलेज के अन्य वार्ड में 16 बच्चों का इलाज जारी है। उन्होंने बताया कि यह घटना शॉर्ट सर्किट के कारण हुई और उन्होंने आश्वासन दिया कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

झांसी मेडिकल कॉलेज कांड के जिम्मेदार मंत्री और अफसर हटाये जाये : राजद

लखनऊ,(एजेंसी)। झांसी मेडिकल कॉलेज में आग लगने से दस नवजात शिशुओं की मौत और दर्जनों बच्चों के झुलसने की घटना बहुत दुखद और दर्दनाक है। इस मामले ने व्यवस्था की पोल खोल दी है। मासूमों की जिंदगी से खिलवाड़ किया गया है, यह घटना नाकाबिलेमाफी है।सवाल यह है कि 24 घण्टे सेवा मेडिकल की होती है तो सम्बंधित अफसर, डॉक्टर,कार्मिक और इलेक्ट्रिकल विंग के वर्कर कहां थे,होते तो घटना न घटती। यह बात राष्ट्रीय जनता दल के वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष और समाजवादी चिंतक रविन्द्र कुमार श्रीवास्तव अंगारा ने कहते हुए सरकारी तंत्र को पूरी तरह फेल बताया है।उन्होंने कहा,मुख्यमंत्री को चाहिए कि ऐसे वक्त में चुनाव रैलियों को छोड़कर मौके पर जाकर लोगों को सांत्वना दे और भरपूर सरकारी इमदाद दिलाये।इतना ही नहीं संबंधित विभाग के मंत्रियों और अफसरों को तत्काल हटाते हुए मामले की जांच करानी चाहिए। जिम्मेदार यदि पावर में रहे तो निष्पक्ष जांच संभव नही होगी।जिन माताओं की कोख उजड़ी है, उनको न्याय मिलना चाहिए।

43वीं जूनियर नेशनल खो–खो चैंपियनशिप का चयन ट्रायल रविवार को

लखनऊ,(एजेंसी)। खो–खो फेडरेशन आफ इण्डिया के संरक्षण में 43 वीं जूनियर नेशनल खो–खो बालक–बालिका चैंपियनशिल का आयोजन महारानी अहिल्याबाई होल्कर स्टेडियम, अलीगढ, उ0प्र0 में किया जा रहा है। दिनांक 25 नवम्बर 2024 से 29 नवम्बर तक आयोजित होने वाली खो–खो चैंपियनशिप हेतु चयन ट्रायल महारानी अहिल्याबाई होल्कर स्टेडियम अलीगढ़ में दिनांक 17 नवम्बर 2025 को प्रातः 8.00 बजे से होगा। जिसमें केवल उ0प्र0 के पात्र खिलाड़ी भाग ले सकते हैं। राष्ट्रीय प्रतियोगिता का आयोजन 25 से 29 नवम्बर तक इसी स्टेडियम में होगा। राष्ट्रीय जूनियर खो–खो चैंपियरशिप चयन ट्रायल के मुख्य को–आईनेटर डा0 राकेश कुमार सिंह, बेसिक शिक्षा अधिकारी, अलीगढ़ तथा को–आर्डिनेटर रविकांत किश्रा है। साथ ही चयन प्रक्रिया के पेनल में एनआइएस खो–खो कोच के साथ खो–खो फेडरेशन आफ इण्डिया के प्रतिनिधि भी शामिल है। चयन संबंधी अधिक जानकारी हेतु मुख्य समन्वयक बीएसए अलीगढ़ मोबाइल 9519377509 तथा समन्वयक रविकांत मिश्रा मोबाइल 9335424899 पर संपर्क किया जा सकता है।

उर्दू और परवीन शाकिर पर हुआ सेमिनार

लखनऊ,(एजेंसी)। राजधानी लखनऊ में शनिवार को एक दिवसीय उर्दू शायरी पर राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। चौक स्थित नेहरू युवा केंद्र में हुए कार्यक्रम का उद्घाटन पूर्व कार्यवाहक मुख्यमंत्री डॉक्टर अम्मार रिजवी ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश महिला आयोग की सदस्य चारु चौधरी शामिल हुई। डॉ तकि आब्दी ने मुख्य वक्ता के रूप में उर्दू शायरी को लेकर कई अहम बातें कहीं। डॉ अम्मार रिजवी ने कहा कि आज उर्दू जुबान और प्रसिद्ध शायरा परवीन शाकिर को लेकर चर्चा हो रही। उर्दू किसी व्यक्ति विशेष या धर्म की भाषा नहीं है। उर्दू मोहब्बत और भाईचारे की जुबान है। लखनऊ शहर को उर्दू अदब के लिए पूरे विश्व में जाना जाता है। परवीन शाकिर ने अपनी शायरी के माध्यम से समाज में इंकलाब पैदा किया। परवीन ने जिस दौर में शायरी किया वो महिलाएं के लिए बहुत कठिन समय था। परवीन की शायरी में महिलाओं का दर्द, समाज की सच्चाई झलकती है। आज कि युवा पीढ़ी को आवश्यकता है कि परवीन शाकिर की शायरी और जीवन के साफर को पढ़ें। 42 साल की उम्र में उनकी मृत्यु हो जाने के कारण उर्दू अदब का बड़ा नुकसान हुआ। कार्यक्रम के आयोजक मिर्जा शफीक हुसैन शफक ने कहा कि परवीन शाकिर ने तमाम महिलाओं को सशक्त बनाया। आज सेमीनार में बड़ी संख्या में उर्दू के प्रोफेसर और उर्दू जबान बोलने वाले पढ़ने वाले लोग शामिल हुए। कनाडा से आए डॉक्टर तकी आब्दी ने बताया कि उर्दू बोलने और पढ़ने वालों को इससे जुड़ी कुछ अहम बातों का ध्यान रखना चाहिए। उर्दू भाषा की खूबसूरती सही उच्चारण है, जब तक शब्दों को सही तरीके से ना बोला जाए कविताओं में और गजलों में वह मजा नहीं है। इसलिए युवा पीढ़ी को इस पर विशेष ध्यान देना चाहिए। महिला आयोग की सदस्य चारु चौधरी ने कहा कि महिलाओं के लिए हरिद्वार में चुनौतियां थी। परवीन शाकिर ने भी अपने समय में महिलाओं की आवाज बुलंद करने के लिए बहुत संघर्ष किया। मगर उन्होंने साहित्य के माध्यम से जो चाहा वह हासिल किया। हम सभी लोग अपने सार्वजनिक जीवन मे उर्दू को जीते है। आज के समय में शायद व्यक्ति हो जिसे उर्दू के दो चार शेर याद ना हो यह अपने आप में बहुत बड़ी बात है।

सम्पादकीय.....

मांग और सत्ता की हठधर्मी

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में चार दिनों के आंदोलन के बाद आखिरकार छात्रों की जीत हुई है। उत्तरप्रदेश लोकसेवा आयोग (यूपीपीएससी) ने एक ही पाली में परीक्षाएं करवाने की छात्रों की मांग अब मांग ली है। गौरतलब है कि इस समय योगी सरकार का पूरा ध्यान, संसाधन और ऊर्जा प्रयागराज में अगले साल की 13 जनवरी से प्रारम्भ होने जा रहे कुम्भ मेले की तैयारियों पर लगी हुई है लेकिन उसी कुम्भ नगरी की सड़कों पर लाखों अभ्यर्थी उत्तर प्रदेश लोकसेवा आयोग (यूपीपीएससी), रिव्यू ऑफिसर (आरओ) एवं असिस्टेंट रिव्यू ऑफिसर (एआरओ) की प्रारम्भिक परीक्षाएं एक ही दिन कराये जाने की मांग को लेकर लाठियां झेल रहे थे। चार दिनों तक प्रयागराज में बवाल रहा लेकिन राज्य सरकार के पास इन छात्रों और अभ्यर्थियों की बात सुनने का समय पहले शायद नहीं था। पुलिस और छात्रों के बीच नोक–झोंक जारी रही तथा पुलिस ने गिरफ्तारियां भी कीं। छात्रों ने उप्र लोकसेवा आयोग के स्टेनली रोड (प्रयागराज–लखनऊ मार्ग) पर स्थित मुख्य कार्यालय का तीन तरफा घेराव किया था। राज्य की भारतीय जनता पार्टी सरकार को अनेक विपक्षी दलों के नेता आंदोलनकारियों से बातचीत कर मांग स्वीकार करने की सलाह दे चुके थे परन्तु प्रदेश सरकार आंखें मूंदे बैठी रही। दो दिन की परीक्षाओं में एक ही पद के लिये अलग–अलग शिफ्टों में शरीक होने वाले परीक्षार्थियों को अलग–अलग प्रश्न पत्र दिये जायेंगे, इस व्यवस्था को छात्र स्वीकार नहीं कर रहे थे। यह व्यवस्था पहली बार की जा रही है। हालांकि एक जैसे मूल्यांकन हेतु आयोग ने मानकीकरण (नॉर्मलाइजेशन) करने की बात कही है परन्तु यह स्पष्ट नहीं था कि प्रणाली कैसे काम करेगी। अभ्यर्थियों को अंदेशा था कि यह व्यवस्था असुविधापूर्ण होगी जिसमें चयन संयोग पर अधिक निर्भर करेगा। आंदोलन में शामिल छात्र–युवा एक ही दिन में एक जैसे प्रश्न पत्र के माध्यम से परीक्षाएं पूरी कराने की मांग कर रहे थे ताकि निष्पक्ष व पारदर्शी मूल्यांकन हो। छात्रों का कहना था कि यूपीपीएससी तथा आरओ–एआरओ की परीक्षा एक ही दिन और एक शिफ्ट में होने से उन्हें तैयारियों के लिये ज्यादा समय मिलेगा तथा प्रक्रिया भी सरल होगी। बेहतर यही होता कि छात्रों की मांग सरकार अविलम्ब स्वीकार कर लेती ताकि इस बड़े विवाद से बचा जा सकता था। लेकिन सरकार ने हठधर्मिता दिखाई, जिससे टकराव का रास्ता बना। गुरुवार की सुबह छात्रों की पुलिस से झड़पें हुईं। सादी वर्दी में तैनात पुलिसकर्मी जब आंदोलनकारियों को उठाने पहुंचे तो वे भड़क गये। उनका मानना है कि वे शांतिपूर्वक प्रदर्शन कर रहे हैं जो उनका संवैधानिक हक है। उन्होंने आरोप लगाया कि छात्राओं तथा महिला अभ्यर्थियों के साथ पुलिस वालों ने बदसलूकी की। श्वन डे वन शिफ्टश की मांग कर रहे छात्रों से पूरे दिन झड़पें बदस्तूर जारी रहीं जैसी कि हफ्ते के पहले दिन से हो रही हैं। दिनों–दिन इनकी संख्या बढ़ती जा रही है लेकिन आयोग ने उन्हें या उनके प्रतिनिधियों से बात करना तक मुनासिब नहीं समझा है। आंदोलन खत्म न होता हुआ देख पुलिस ने कुछ छात्रों को हिरासत में लिया जिससे तनाव और बढ़ गया। छात्रों ने पुलिस के लगाये कई बैरिकेड्स तोड़ दिये। पुलिस का कहना है कि असामाजिक तत्वों को गिरफ्तार किया गया है, न कि अभ्यर्थियों को। मंगलवार को होर्डिंग तोड़ने के आरोप में पहले 12 और फिर 3 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इससे भी छात्र बेहद नाराज हैं। प्रशासन का कहना है कि स्थिति न बिगड़े तथा आमजनों की सुरक्षा के लिये बल तैनात किया गया है। प्रशासन के इस बयान के ठीक विपरीत पुलिस का रवैया आक्रामक नजर आ रहा था। गुरुवार को उसने आंदोलनकारियों को घसीटना शुरू कर दिया। आशुतोष पांडेय नामक युवक को गिरफ्तार कर लिया गया जो उस वक्त आंदोलन का नेतृत्व कर रहे थे। कई छात्राएं भी घसीटी गयीं। उनका आरोप है कि महिला पुलिसकर्मियों की बजाये पुरुष सिपाहियों ने ही उन्हें घसीटा। कई छात्राओं का आरोप है कि उनके साथ बदसलूकी की गयी। एक दिव्यांग छात्रा की बैसाखियां तक पुलिस उठाकर ले गयी। मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव ने इसे लेकर सरकार पर निशाना साधा और कहा है कि छात्रों पर हो रहे अत्याचारों से आगामी चुनाव में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में चल रही सरकार के लौटने का रास्ता बन्द हो गया है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा दहाई के अंकों में सिमट जायेगी। उनके अनुसार हर विधानसभा क्षेत्र में इसके कारण भाजपा के 25–25 हजार वोट कटने जा रहे हैं। उन्होंने भाजपा की सरकार को श्हृदयहीनश बतलाया। आम आदमी पार्टी ने भी इस मामले में राज्य सरकार की निंदा की है और आंदोलन के प्रति समर्थन जताया है। इसे लेकर राजनीतिक बयानबाजी अपनी जगह पर है परन्तु यह तो सच है कि भाजपा सरकार श्नौकरी विरोधीश साबित हुई है। उप्र इस मामले में कुख्यात है।

बुलडोजर पर न्याय का हथौड़ा

एजेन्सी

> *संविधान प्रदत्त नागरिक अधिकारों का कार्यपालिका मनमाने तरीके से अतिक्रमण नहीं कर सकती। निश्चित रूप से किसी भी मामले में एक आरोपी पर मुकदमा चलाए बिना ही दंड देना, नैसर्गिक न्याय की अवधारणा के ही विरुद्ध है।*

सही मायनों में यह सुप्रीम कोर्ट का एक सख्त फैसला था, लेकिन यह समय की जरूरत भी थी। कथित बुलडोजर न्याय पर रोक लगाकर शीर्ष अदालत ने यह संदेश दिया है कि संविधान प्रदत्त नागरिक अधिकारों का कार्यपालिका मनमाने तरीके से अतिक्रमण नहीं कर सकती। निश्चित रूप से किसी भी मामले में एक आरोपी पर मुकदमा चलाए बिना ही दंड देना, नैसर्गिक न्याय की अवधारणा के ही विरुद्ध है। लेकिन साथ ही अदालत ने यह भी साफ कर दिया कि सरकारी संपत्ति और सार्वजनिक स्थलों पर होने वाले अवैध निर्माण इस आदेश की परिधि में नहीं आते। दरअसल, हाल के वर्षों में उत्तर प्रदेश से शुरू हुआ कथित बुलडोजर न्याय का सिलसिला दिल्ली, हरियाणा, मध्यप्रदेश, राजस्थान से लेकर असम तक जा पहुंचा। कई राज्यों ने अपराधी तत्वों पर अंकुश लगाने की मंशा जाहिर करते हुए बुलडोजर से दंड देने को कारगर तरीका मान लिया। जिसको लेकर सामाजिक प्रतिक्रिया के साथ ही राजनीतिक दलों की ओर से भी सख्त विरोध दर्ज किया गया। उन्होंने इसे अतार्किक और प्रचलित कानूनी प्रक्रिया का उल्लंघन बताया। हालांकि, समाज में आम लोगों के एक वर्ग में इसके प्रति

समर्थन भी देखा गया। जिसका मानना था कि न्यायिक प्रक्रिया में दंड देने की अवधि खासी लंबी होती है। जिसके चलते धनबल और बाहुबल के आधार पर अपराधी मामले को लंबा खींचने में सफल हो जाते हैं। दरअसल, समाज के एक वर्ग में इस शीघ्र न्याय की आकांक्षा की सरकारों ने अपनी प्राथमिकताओं व सुविधाओं के अनुसार व्याख्या कर दी। वहीं दूसरी ओर प्रशासनिक स्तर पर इस कार्रवाई के बचाव में कई तरीके के तर्क गढ़े जाते रहे। जिसके चलते बुलडोजर न्याय की तार्किकता को लेकर दुविधा पैदा हुई। यही वजह है कि शीर्ष अदालत ने ऐसे तमाम सवालों पर मंथन करते हुए कानूनन और संवैधानिक दृष्टि से नागरिकों के अधिकारों की रक्षा को लेकर महत्वपूर्ण फैसला दिया। जो आम नागरिकों को सत्ता की निरंकुशता से बचाव का कवच उपलब्ध कराता है। साथ ही यह फैसला न्याय व्यवस्था के प्रति जनता के भरोसे को भी बढ़ाता है। इसमें दो राय नहीं कि इस फैसले के जरिये शीर्ष अदालत ने कार्यपालिका को उसकी सीमा का अहसास ही कराया है। दूसरे शब्दों में, खुद ही आरोप तय करके और खुद ही न्याय करने की लोकसेवकों की कोशिश को सिरे से नकार दिया है। कोर्ट ने आईना दिखाया कि शासन–प्रशासन ने अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर अन्याय करने वाले कथित बुलडोजर न्याय को तार्किक बताने का प्रयास किया। जबकि बिना मुकदमा चलाये किसी को सजा देने का अधिकार किसी लोकसेवक को नहीं है। वैसे भी किसी भी अपराधी के कृत्य की सजा उसके पूरे परिवार को नहीं दी जा सकती। किसी एक घर को बनाने में व्यक्ति के जीवन की पूरी पूंजी लग जाती है। जिसे कुछ घंटों में बिना प्रतिवाद का मौका दिए ध्वस्त करना, जंगलराज का ही पर्याय कहा जा सकता है। यही वजह है कि अदालत ने अपने फैसले में कहा कि यदि किसी व्यक्ति का घर तोड़ने की कार्रवाई कानून की प्रक्रिया के विरुद्ध पायी जाती है तो तोड़े गए घर को बनाने का खर्च संबंधित अधिकारी के वेतन से काटा जाएगा। लेकिन दूसरी ओर अपने फैसले के आलोक में शीर्ष अदालत यह बताने में नहीं चूकी कि यह फैसला सरकारी जमीन, सार्वजनिक स्थलों मसलन रेलवे लाइन, फुटपाथ, सड़क पर किए गए अतिक्रमण या गैरकानूनी निर्माण पर लागू नहीं होगा। वैसे यह भी एक हकीकत है कि सार्वजनिक भूमि पर होने वाले अनधिकृत निर्माण और अतिक्रमण रातोंरात नहीं होते। ये अवैध कार्य राजनीतिक संरक्षण व नौकरशाही की मिलीभगत के बिना संभव नहीं हैं। कई मामलों में महीनों नहीं, सालों तक कोई कार्रवाई नहीं होती। जिससे कब्जा करने वालों के हौसले बढ़ते हैं। निश्चित रूप से किसी अवैध संरचना को समयबद्ध और कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हुए ही ध्वस्त किया जा सकता है। साथ ही प्रतिवादी को अपनी बात रखने का मौका भी मिलना चाहिए। कह सकते हैं कि शीर्ष अदालत ने सख्त फैसला देने के साथ न्यायिक संतुलन का आदर्श प्रस्तुत किया है। जो कालांतर लोकतांत्रिक देश में संवैधानिक मूल्यों को समृद्ध करेगा।

ध्वज तिरंगा और पंडित जवाहरलाल नेहरू

एल.एस. हरदेनिया

महान क्रांतिकारी, देश के पहले प्रधानमंत्री, शांतिदूत, चिंतक एवं लेखक पंडित जवाहरलाल नेहरू का 14 नवंबर को जन्मदिन होता है। उनके जन्मदिन पर उन्हें हम याद करते हैं। परम्परा के अनुसार दुनिया में अपने पुरखों को याद किया जाता है। हमारे पुरखे कैसे भी हों हम उन्हें याद करते हैं। एक चपरासी का पुत्र यदि आईएएस बन जाता है तो उसका सारा श्रेय वह अपने पिता को देता है। दूसरे देशों में भी यह परम्परा कायम है। चीन में भले ही कम्युनिस्ट क्रांति हुई हो और कम्युनिस्टों का राज आ गया हो फिर भी वहां सुन यात–सेन को याद किया जाता है। क्यूबा में फिडेलकेस्ट्रो अपने देश के अनेक क्रांतिकारियों को याद करते हैं। मैंने स्वयं अपनी क्यूबा यात्रा के दौरान केस्ट्रो को वहां के पूर्वजों को याद करते सुना है। अमेरिका में वहां के राष्ट्र की स्थापना करने वाले वाशिंगटन को अमेरिका की क्रांति के दिवस पर याद किया जाता है। अमेरिका ने उन्हें सबसे बड़ी श्रद्धांजलि अपनी राजधानी को उनके नाम पर रखकर दी है। अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन डी.सी. है। परन्तु यह दुरूखद स्थिति है कि देश के अधिसंख्य अखबार 14 नवंबर को जवाहरलाल नेहरू को याद नहीं करते हैं। उन्हें श्रद्धांजलि के रूप में यहां प्रस्तुत है उनके द्वारा हमारे राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे झंडे के सम्मान में संविधान सभा में दिये गये भाषण के अंश। हमारे देश का झंडा कैसा हो, उस झंडे के पीछे कौन सा विचार है, उसका इतिहास क्या है। इस पर संविधान सभा में लंबी बहस हुई थी। बहस की शुरूआत पंडित जवाहरलाल नेहरू ने की थी। नेहरू जी ने इस संबंध में एक प्रस्ताव पेश किया था। अपने भाषण की शुरूआत करते हुए उन्होंने कहा कि मेरा सौभाग्य है कि मुझे इस संबंध में प्रस्ताव पेश करने को कहा गया है। प्रस्ताव इस प्रकार था– हमारे देश के झंडे का स्वरूप क्या होगा? इसमें कौनसे रंग डाले जायेंगे। यह हमें तय करना है। इस संबंध में उन्होंने विस्तृत प्रस्ताव रखा। प्रस्ताव पर चर्चा प्रारंभ करते हुए उन्होंने कहा कि यह प्रस्ताव बहुत ही सादा है। इसमें न तो कोई चमक है और न ही कोई अन्य गर्माहट। परंतु मुझे पूरा विश्वास है कि इस संदर्भ में लोगों की क्या भावना होगी। परंतु मैं जानता हूँ कि इस झंडे का एक इतिहास है। कभी–कभी यह लगता है कि इसके पीछे सदियों का इतिहास है। इस झंडे के पीछे इतिहास की अनेक करवटें हैं, विशेषकर पिछले 25 साल की। अनेक स्मृतियां मुझे झकझोर रही हैं। मैं और इस सदन में अनेक लोग यह महसूस करेंगे कि हमने इस झंडे को किस गर्व से और किस उत्साह से देखा। उसकी आवाजें आज भी हमारे कानों में सुनाई पड़ रही हैं। यह झंडा हमें आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। इस सदन में ऐसे अनेक लोग हैं जो झंडे को अंत तक सम्हाले रहे। इस झंडे को सम्हालने वाले ऐसे अनेक लोग हैं जो हमारे बीच में अब नहीं रहे। जो इसे अंत तक सम्हाले रहे हैं और जो इसे सम्हाले हुए मौत से भी नहीं डरे। सच पूछा जाये तो इस झंडे का संघर्ष का इतिहास है। जिस संघर्ष के माध्यम से हम आजादी की कामना करते रहे और आज भी कर रहे हैं। इस झंडे को जब हम हाथ में लेते हैं तो हमें एक प्रकार की विजय महसूस होती है। इस तरह मैं यह प्रस्ताव पेश कर रहा हूँ। मैं इस प्रस्ताव से इस झंडे की परिभाषा रख रहा हूं और वह परिभाषा क्या होनी चाहिए यह भी बता रहा हूँ। यह झंडा हमें बड़े से बड़ा बलिदान करने की प्रेरणा देता है। वैसे हम सब ने इस झंडे को तरह–तरह के दृष्टिकोण से देखा है। परंतु मैं यह कहने की स्थिति में हूं कि जब हमने इस झंडे का स्वरूप तय किया था तब वह हमें बहुत ही सुंदर लगा था। वैसे तो हर झंडा सुंदर होना चाहिए परंतु जब वह किसी देश की चेतना का प्रतीक होता है तो उसका सुंदर होना लाजमी है। इस झंडे के आसपास अनेक महत्वपूर्ण घटनाएं हुई हैं जिन्हें हम सदा याद करेंगे। इन घटनाओं के याद आते ही हम दुखी हो जाते हैं। यह झंडा हमें अंतिम मंजिल पाने की प्रेरणा देता है। शायद हम अपनी अंतिम मंजिल उस रूप में पैदा न कर पायें जिसकी हमने परिकल्पना की थी परंतु हमें यह भी याद रखना चाहिए कि हम बहुत कम उन सपनों को साकार कर पाते हैं जो हमने देखे हैं। इस संदर्भ में हमें बहुत उदाहरण याद रहते हैं। कुछ सालों पहले एक बड़ा युद्ध लड़ा गया था। उस युद्ध ने मानवता पर अनेक संकट लादे थे। कुछ राष्ट्र उस युद्ध के माध्यम से आजादी और लोकतंत्र हासिल करना चाहते थे। कुछ ने उस युद्ध के दौरान अपनी आजादी भी खोई और लोकतंत्र को भी खोया। उस युद्ध में ऐसे लोगों ने सफलता पाई जो आजादी और लोकतंत्र के हामी थे। परंतु कुछ समय बाद फिर दूसरा युद्ध चालू हो गया, जिसने फिर अनेक मुसीबतें मानवता पर लादीं। आजादी दुनिया के अनेक राष्ट्रों के लिए अभी भी दूर की मंजिल है। हम भी ऐसे ही राष्ट्रों में से हैं जिनके लिए आज भी आजादी दूर की मंजिल है। इसमें शर्म करने की जरूरत नहीं है क्योंकि अभी तक हमने जो हासिल किया है वह कम भी नहीं है। इसलिए ऐसे समय में यह उचित होगा कि जो कुछ हमने हासिल किया है उसके प्रतीक के रूप में हम इस झंडे को स्वीकार करें। ऐसे अवसर पर हमें सोचना चाहिए कि आखिर आजादी क्या है? आजादी के लिए संघर्ष करने का अर्थ क्या है? मेरी मान्यता है कि आजादी उस समय तक जरूरी है जब हमारे देश में एक भी इंसान ऐसा हो जो अपने को आजाद अनुभव नहीं कर रहा हो। हमारे देश में तो क्या अगर दुनिया में भी अगर ऐसा इंसान है जिसे भूख का सामना कर पढ़ रहा हो, जिसे अपना शरीर ढंकने के लिए यथेष्ट कपड़े नहीं हों, जो इंसान की जीवन की कुछ महत्वपूर्ण आवश्यकताओं को प्राप्त नहीं कर पा रहा हो, जिसके लिए प्रगति के दरवाजे अभी भी बंद हैं। यदि ऐसी स्थिति है तो उसे मैं आजादी नहीं मानूंगा। मैं सही आजादी उसे मानूंगा जब हमारी आने वाली पीढ़ियां ऐसा समाज हासिल कर सकें जिसमें वह सब प्राप्त हो जाये जिसका वर्णन मैंने किया है।

या जिन्हें इस तरह की स्थितियाँ प्राप्त करने में कठिनाई महसूस न हो। वैसे मैं जानता हूं कि जो कुछ हम चाहते हैं उसे पूर्ण रूप से हासिल करना संभव नहीं है। परंतु हमें ऐसे अवसर बना देना चाहिए जिसमें वह सब प्राप्त कर सकें जिसे आजादी कहते हैं और जिसे लोकतंत्र कहते हैं। हम एक ऐसे झंडे की कल्पना कर रहे हैं जो एक हद तक इंसान की महत्वाकांक्षा का प्रतिनिधित्व कर सके। इसलिए मैं सोचता हूं कि हमने जिस झंडे की कल्पना की है वह हमें वह सब हासिल करने की प्रेरणा देता है जो उसके जीवन को सुखद बनाता है। इंसान सिर्फ भौतिक चीजों से सुखी और संतुष्ट नहीं होता है। यद्यपि उनको हासिल करना भी महत्वपूर्ण है। कोई भी राष्ट्र, हमारा राष्ट्र मिलाकर, जो भौतिक चीजों के साथ–साथ उन चीजों को भी हासिल करना चाहता है जो उसे आत्मिक सुख देता है। हम सदियों से इस तरह की चीजों को हासिल किये हुए हैं। हमने भले ही भौतिक चीजें हासिल न की हों, हम भले ही अत्यधिक दुखी वातावरण में रहे हों परंतु ऐसी स्थिति में भी हमने अपने सिर को ऊंचा रखा है और हमने अपने आदर्शों और उसूलों को बचाकर रखा है। हम जो यहां पर एकत्रित हुए हैं वे एक संक्रमण काल से गुजर कर एकत्रित हुए हैं और हम इस संक्रमण को महसूस भी कर रहे हैं। हम इस संक्रमण को सुखद भविष्य के रूप में परिवर्तित भी कर रहे हैं। जैसा कि मैंने अपने भाषण के प्रारंभ में कहा था कि यह मेरा सुखद अधिकार है कि मुझे यह प्रस्ताव पेश करने का अवसर दिया गया है। मैं अब कुछ बातें इस झंडे के बारे में भी कहना चाहूंगा। इस झंडे और उस झंडे में जिसे हम पिछले कई वर्षों से लहराते रहे हैं थोड़ा अंतर है। वैसे इस झंडे के रंग भी वही हैं जो पहले झंडे में थे। पहले झंडे में चरखा था, जो आम आदमी के श्रम का प्रतीक था। जो हमें महात्मा गांधी के आदेश से प्राप्त हुआ था। इस झंडे में थोड़ा अंतर किया गया है। इस झंडे में चरखे के स्थान पर अब एक चक्र रखा गया है। इस तरह हमने चरखे को पूरी तरह नहीं नकारा है। चरखे में चक्र होता था जिसे हमने इस झंडे में भी रखा है। परंतु किस तरह के चक्र को हमने रखा है? हमारे दिमाग में अनेक चक्र थे परंतु जो चक्र हमने रखा है वह हमें सम्राट अशोक की याद दिलाता है। उस अशोक का जिसका हमारे देश के इतिहास में अतिमहत्वपूर्ण स्थान है। न सिर्फ हमारे इतिहास में वरन दुनिया के इतिहास में भी। आज के समय में दुनिया आपसी बैर, आपसी लड़ाई, असहिष्णुता के दौर के गुजर रही है। हमारी स्मृति भारत के उस काल की तरफ जाती है जब हम कुछ महत्वपूर्ण आदर्शों के प्रति समर्पित थे। शायद इन्हीं आदर्शों और सिद्धांतों के कारण हमारा देश और उसकी सभ्यता आज भी जीवित है।

क्या टीडीपी वक्फ संशोधन विधेयक के मुद्दे पर मोदी सरकार से समर्थन वापस लेगी?

सुशील कुट्टी

> *भारत भर में मुस्लिम समुदाय शीतकालीन सत्र के दौरान बड़े प्रदर्शन के लिए तैयार है और मुस्लिम संगठनों ने मोदी सरकार को बड़े पैमाने पर सड़कों पर विरोध प्रदर्शन की चेतावनी दी है। समुदाय के लिए, यह करो या मरो की स्थिति है।*

चुनाव आते हैं और चले जाते हैं। ये भी बीत जायेंगे। जो आसानी से नहीं गुजरेगा, वह है वक्फ संशोधन विधेयक 2024 पर हंगामा। अगली बड़ी राजनीतिक लड़ाई तब होगी जब संयुक्त संसदीय समिति विधेयक को संसद में वापस भेजेगी। भारत भर में मुस्लिम समुदाय शीतकालीन सत्र के दौरान बड़े प्रदर्शन के लिए तैयार है और मुस्लिम संगठनों ने मोदी सरकार को बड़े पैमाने पर सड़कों पर विरोध प्रदर्शन की चेतावनी दी है। समुदाय के लिए, यह करो या मरो की स्थिति है। दोगुना चिंतित इसलिए क्योंकि ऐसा नहीं लगता कि मोदी सरकार प्रस्तावित संशोधनों पर पीछे हटेगी। मुफ्त कृषि बिल दिमाग में आते हैं। इन विधेयकों की तरह, जिन्हें किसानों के एक मूक बहुमत ने समर्थन दिया था, बड़ी संख्या में मुसलमान हैं जो वक्फ संशोधन विधेयक 2024 चाहते हैं, लेकिन वे मुसलमानों के एक बड़े वर्ग को चुनौती देने से सावधान हैं। तीन कृषि विधेयकों पर लड़ाई तब खत्म हुई जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महीनों तक किसानों के विरोध और सरकार के अनिर्णय के बाद अपना धैर्य खो दिया। अंत में, श्मोदी है तो मुमकिन है केवल एक नारा साबित हुआ, एक गुजरता हुआ विचार जिसे वाष्पित होने में अपना समय लगा। क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस बार भी दबाव में झुकेंगे? तीन कृषि विधेयकों ने प्रधानमंत्री मोदी को कगार पर ला खड़ा किया। उन्होंने माफी मांगी और विधेयक वापस ले लिये। स्ट्रीट वीटो मोदी की कमजोरी है। मोदी तब भी टूट गये जब भाजपा के पास अपने दम पर बहुमत था। आज, भाजपा श्240श पर रुकी है और वर्तमान नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार नीतीश कुमार का जनता दल (यू) और एन चंद्रबाबू नायडू की तेलुगु देशम पार्टी की दया पर है, जो दो मुख्यमंत्री धर्मनिरपेक्ष और मुस्लिम–हितैषी माने जाते हैं। इन दोनों में से, टीडीपी के अपने रुख को संशोधित करने की अधिक संभावना है। टीडीपी के पास आंध्र प्रदेश विधानसभा में बहुमत है और उसे भाजपा या पवन कल्याण की जनसेना के समर्थन की आवश्यकता नहीं है। वास्तव में, टीडीपी वक्फ संशोधन विधेयक को संयुक्त संसदीय समिति को भेजे जाने का श्रेय मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू को देती है। दिल्ली के इंदिरा गांधी इनडोर स्टेडियम में जमात उलेमा–ए–हिंद द्वारा बुलाई गई मुसलमानों की एक बैठक में टीडीपी के एक वरिष्ठ नेता ने यह खुलासा किया। टीडीपी नेता नवाब जान ने मुसलमानों की सभा को आश्वासन दिया कि आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू एक सुरक्षा कवच की तरह खड़े हैं और नायडू मुस्लिम हितों को नुकसान पहुंचाने वाले किसी भी विधेयक को पारित नहीं होने देंगे जिसमें कोई अगर और मगर नहीं है। जमीयत उलेमा–ए–हिंद के संविधान बचाओ सम्मेलनश में जान ने कहा कि चंद्रबाबू नायडू की दो आंखें हैं – एक हिंदू और दूसरी मुस्लिम और नायडू कहते हैं कि एक आंख को नुकसान पहुंचाने से दूसरी आंख भी प्रभावित होती है। जान ने नायडू के शासन में मुसलमानों को मिलने वाले लाभों को गिनाया। उन्होंने नायडू की धर्मनिरपेक्ष मानसिकता की ओर इशारा किया और कहा कि नायडू के बिना, वक्फ (संशोधन) विधेयक 2024 को संयुक्त संसदीय समिति के पास नहीं भेजा जाता। साथ ही, नायडू चाहते हैं कि मुस्लिम संस्थान में केवल उसी धर्म के लोग हों। जान ने यह कहकर खूब वाहवाही बटोरी कि श्हम सब कुछ बर्दाश्त करेंगे, लेकिन देश की एकता को नुकसान पहुंचाने की किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं करेंगे। लेकिन अब तक, जबकि वक्फ (संशोधन) विधेयक के खिलाफ विरोध प्रदर्शन बड़े पैमाने पर सड़कों पर उतरने की धमकी दे रहे हैं, न तो चंद्रबाबू नायडू और न ही नीतीश कुमार ने इस मामले पर एक शब्द भी कहा है। मोहम्मद अदीब, जो कभी राज्यसभा सांसद थे, पिछले दिनों दिल्ली में एक मंच पर खड़े हुए और उन्होंने कहा, श्भारत मुसलमानों का बहुत बड़ा ऋणी है क्योंकि हमने भारत में रहना चुना और हमने ब्राह्मण जवाहरलाल को प्रधानमंत्री बनाया! अदीब, जो कांग्रेस में शामिल होने से पहले बीएसपी और समाजवादी पार्टी में थे और अब कुछ हद तक अलग–थलग हैं, ने कहा, श्अगर हमने जिन्ना की बात मान ली होती और चले गये होते, तो पाकिस्तान की सीमा लाहौर तक नहीं रुकती, बल्कि लखनऊ तक फैल जाती!श मुसलमानों की दिल्ली की इस बैठक में ऐसा लगा मानो अदीब श्आजादीश की घोषणा करने ही वाले थे। वास्तविकता यह है कि समुदाय के लिए चीजें तब तक ठीक चल रही थीं, जब तक कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस साल अगस्त में श्सबसे खतरनाकश कानून, वक्फ संशोधन विधेयक 2024 के साथ कठोर और तेज प्रहार नहीं किया। आरोप है कि प्रस्तावित संशोधनों से सरकार के लिए मस्जिदों और मदरसों पर कब्जा करना संभव हो जायेगा और यह संविधान के खिलाफ है। लोकसभा में वक्फ संशोधन विधेयक 2024 पेश किये जाने के बाद से अचानक बढ़ते वक्फ दावों के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए जेपीसी बैठकें कर रही है और वक्फ हॉटस्पॉट की यात्रा कर रही है। विपक्ष अब तक मुस्लिम समुदाय के साथ मजबूती से खड़ा है, जो इन विपक्षी दलों का वोट बैंक है। महाराष्ट्र, झारखंड और उत्तर प्रदेश उपचुनावों के नतीजे टीडीपी और जेडी(यू) द्वारा भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार को समर्थन जारी रखने पर असर डालेंगे। ऐसा लगता है कि टीडीपी मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार को झटका देने के बारे में सबसे अधिक सोच रही है।

'बंदा सिंह' में अपने किरदार के लिए मेहर विज ने सीखा गतका, कहा....

एक्ट्रेसेस खुद को शक्तिशाली बनाएं

मेहर विज, जिन्होंने श्ये हवाएंश, श्स्त्री तेरी कहानीश जैसे शोज में काम किया, अब वो श्बंदा सिंह चौधरीश में नजर आई हैं। उन्होंने अपने किरदार के बारे में बात की। उन्होंने फिल्म में एक्शन दृश्यों और गतका सीखने के दौरान आई चुनौतियों का जिक्र किया। मेहर विज श्बंदा सिंह चौधरीश फिल्म में एक सशक्त किरदार में नजर आनेवाली हैं एक्ट्रेस ने फिल्म के ऐक्शन सीक्वेंस के लिए गतका (सिखों की पारंपरिक युद्ध कला) सीखा

मेहर विज ने कहा कि महिलाओं को अपने अभिनय में प्रयोग करने की जरूरत है मेहर विज बंदा सिंह मूवी श्ये हवाएंश, श्स्त्री तेरी कहानीश, श्बजरंगी भाईजानश और श्जहां चार यारश जैसे टीवी शोज और फिल्मों में मेहर विज ने अपना अभिनय कौशल दिखाया है। इंडस्ट्री में करीब दो दशक का सफर तय कर चुकी अदाकारा कहती हैं कि अब यहां महिलाओं को थोड़े बहुत प्रयोग की जरूरत है। वह खुद को भाग्यशाली मानती हैं कि उन्हें फिल्म श्बंदा सिंह चौधरीश में एक सशक्त किरदार निभाने का मौका मिला। बीते दिनों लखनऊ आई थीं। इस दौरान उन्होंने हमसे खास बातचीत की। ऐक्शन सीक्वेंस के दौरान चोटें आईं हां, मुझे फिल्म में ऐक्शन वाले पार्ट के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी थी। मैंने इसके लिए गतका (सिखों की पारंपरिक युद्ध कला) का अभ्यास किया, उस दौरान मुझे कई चोटें आई थीं। कभी हाथ में दर्द होता तो कभी कंधे पर। गतका के लिए कंधों का मजबूत होना बहुत जरूरी है क्योंकि बिना इसके आप चकरा नहीं घूमा सकते। यह बहुत मुश्किल है लेकिन खुद को चुनौती देने में बहुत मजा आया। कभी–कभी कुछ चीजों से आप जुड़ाव महसूस करते हो, गतका के बाद मुझे भी कुछ ऐसा ही महसूस हुआ। ऐक्ट्रेस को कम मौके मिलते हैं बतौर ऐक्ट्रेस हमारे पास बहुत रेंज है लेकिन वो किसी न किसी वजह से एक्सप्लोर नहीं हो पाती हैं। मुझे लगता है कि अभिनेत्रियों को इधर–उधर थोड़े प्रयोग करने की जरूरत है, जिसमें वह खुद को शक्तिशाली दिखा सकें। वैसे, उन्हें इस तरह के मौके बहुत कम मिलते हैं। मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूं कि मुझे एक सशक्त महिला का किरदार निभाने का मौका मिला। अब ऑडियंस को भी वॉर्मअप करना चाहिए। आगे मैं एक फिल्म कर रही हूं, जिसमें मैं सीक्रेट एजेंट की भूमिका में नजर आऊंगी। मैं और मानव एक–दूसरे से सीखते रहते हैंमेरे पति मानव विज बहुत सपोर्टिव हैं। इस बात का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि अगर मैं कहीं जा रही होती हूं तो वह मेरा बैग तक पैक कर देते हैं। सिर्फ काम ही नहीं, फिटनेस और शॉपिंग में भी वह मेरा पूरा समर्थन करते हैं। वह बहुत भावुक हैं। हां, उनके जीवन में कुछ उतार–चढ़ाव आए लेकिन हमने साथ मिलकर और हिम्मत से मुश्किल समय को गुजार दिया। वह मेरे काम को सराहते हैं और मैं उनके हर काम में उनका साथ देती हूं। हम दोनों एक–दूसरे से कुछ–न–कुछ सीखते रहते हैं।महिलाएं हर जगह सम्मान की हकदार हैंचाहे कोई भी क्षेत्र हो, महिलाएं हर जगह इज्जत और सम्मान की हकदार हैं। एक महिला अपने आप में ऐसी मिसाल है, जिसको सशक्तीकरण की जरूरत नहीं। वह अपने आप में इतनी ताकतवर है कि अगर उसको इस बात का अहसास हो जाए तो उसे बाहर देखने की जरूरत ही नहीं पड़ेगी। चाहे इंडस्ट्री में काम कर रही महिलाएं हों या फिर किसी अन्य क्षेत्र में, सभी को यह समझना होगा कि वह बहुत शक्तिशाली हैं। लखनऊ की वाइब कुछ अलग है लखनऊ मेरा दूसरी बार आना हुआ है। पहली बार मैं 2019 में 'जहां चार यार' की शूटिंग के लिए आई थी। उस समय दो– तीन दिनों के लिए आई थी और शूटिंग शेड्यूल काफी टाइट था, जिस वजह से शहर को ज्यादा जानने का मौका नहीं मिल पाया लेकिन लखनऊ मुझे बहुत पसंद है। यह साफ–सुथरा शहर है और यहां की वाइब कुछ अलग है। शहर का इंफ्रास्ट्रक्चर भी बहुत बढ़िया है।

दिवंगत पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला के पेरेंट्स ने इसी साल आईवीएफ के जरिए अपने दूसरे बेटे का स्वागत किया था. सिद्धू मूसेवाला के छोटे भाई का नाम शुभदीप है और अब सिंगर के पेरेंट्स ने बेटे के जन्म के कुछ महीनों बाद ही उनका चेहरा रिवील कर दिया है. सिद्धू मूसेवाला के इंस्टाग्राम अकाउंट पर उनके पेरेंट्स ने एक फैमिली फोटो शेयर की है. इस तस्वीर में सिंगर के पिता बलकौर सिंह और चरण कौर अपने छोटे बेटे शुभदीप के साथ पोज देते दिख रहे हैं. शुभदीप को तस्वीर में हल्की नीली शर्ट, जीन्स के साथ सिर पर गुलाबी रंग की पगड़ी पहने देखा जा सकता है. इस दौरान उनके हाथ में एक किताब नजर आ रही है जिसे लेकर वे अपने पिता के गोद में बैठे मुस्कुरा रहे हैं. उन आंखों में एक अनोखी गहराई है... इस फोटो के बैकग्राउंड में सिद्धू मूसेवाला का गाने लगाया गया है. पोस्ट के साथ पंजाबी में कैप्शन लिखा है, श्उन आंखों में एक अनोखी गहराई है, जो हमारी जिंदगी की हर सच्चाई को समझती है. चेहरे की मासूमियत से परे और शब्दों से परे, एक अनमोल चमक है, जो हमें हमेशा ये महसूस कराती है कि वो चेहरा हमारे पास है. एक बार आंसुओं भरी आंखों के साथ ईश्वर को सौंपा गया वो अब एक छोटे रूप में हमारे पास लौट आया है, ईश्वर की कृपा और सभी भाइयों और बहनों की प्रार्थनाओं की वजह से हम हमेशा वाहेगुरु के शुक्रुजार रहेंगे.श गोली मारकर हुई थी सिद्धू मूसेवाला की हत्या बता दें कि सिद्धू मूसेवाला का असल नाम शुभदीप सिंह सिद्धू था. 29 मई, 2022 को मनसा जिले के जवाहरके गांव में उनकी गोली मारकर हत्या कर दी थी. उनकी हत्या के लगभग दो साल बाद सिद्धू मूसेवाला के पेरेंट्स ने आईवीएफ के जरिए अपने दूसरे बच्चे का वेलकम किया और उनका नाम भी शुभदीप ही रखा.

हुमा कुरैशी ने हाल ही में खुलासा किया कि उन्होंने एक–दो फिल्मों के ऑफर सिर्फ इसलिए ठुकराए, क्योंकि फिल्म में दूसरे एक्टर का अनुभव कम था और उन्हें सही पैसे भी नहीं मिल रहे थे। हुमा ने यह भी कहा कि सिर्फ सोशल मीडिया पर किसी की अधिक पॉपुलैरिटी होने से यह तय नहीं किया जा सकता कि उसकी वजह से फिल्म या शो हिट होगा इंडिया टुडे से बातचीत में हुमा कुरैशी से पूछा गया कि इंडस्ट्री में नए प्रोजेक्ट्स को न कहने को लेकर उनकी क्या सोच है। उन्होंने कहा कि उनके लिए ईमानदारी सबसे ज्यादा जरूरी है। इसके चलते हाल ही में उन्होंने एक–दो लीड फिल्में ठुकरा दीं। हुमा कुरैशी ने कहा, श्मैं नाम नहीं लूंगी, लेकिन मुझे एक फिल्म का ऑफर मिला था। यह दो लड़कियों की फिल्म थी। मैंने उसे इसलिए मना कर दिया, क्योंकि दूसरी एक्ट्रेस काफी पॉपुलर थी, लेकिन उसके पास मेरे जैसे स्ट्रीमिंग का कोई अनुभव नहीं था। मैं फिल्म में काम करने के लिए तैयार थी, लेकिन जब तक फिल्म में अन्य एक्टर्स की तरह मेरे किरदार को भी समान महत्व न दिया जाए।श हुमा ने कहा, श्मुझे लगता है कि मैं करियर के इस स्तर पर नहीं हूं, जहां मुझे कोई समझौता करने की जरूरत पड़े।

जिम के बाहर अनन्या पांडे ने दिए जमकर पोज

अनन्या पांडे को पैपराजी ने पाली हिल में जिम के बाहर कुछ इस अंदाज में कैप्चर किया, देखें उनका वर्कआउट लुक।

पेरिस में कुछ ऐसे एंजॉय करती दिखीं राशा थडानी

राशा थडानी पेरिस में खुले आसमान के नीचे धूप और बादलों का नजारा एंजॉय करती हुई दिखाई दे रहीं हैं, क्या आपने देखीं ये फोटोज।

अमीषा पटेल का एयरपोर्ट लुक देख फैंस की बढ़ी धड़कनें

अमीषा पटेल को पैपराजी ने एयरपोर्ट पर कुछ इस लुक–बुक में स्पॉट किया, देखें उनका किलर ग्लैमरस स्वैग।

खड़े रहकर करें आसान योगासन

कहते हैं योग करने से शरीर और मस्तिष्क स्वस्थ होता है। योग मस्तिष्क को पूरे शरीर में ऑक्सीजन और रक्त प्रवाह को बढ़ाता है। जिससे हमारे मस्तिष्क कार्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। अगर आप भी चाहते हैं आपके बच्चे का ब्रेन का विकास सही ढंग से हो। बच्चे की याददाश्त बेहतर करने के लिए इन 7 योगासन को जरुर करें।

योग एक जादुई अभ्यास है जो हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा दे सकता है और कल्याण को बढ़ावा देने में काफी मदद करता है। यह गहरी सांस लेने और शारीरिक संवेदनाओं पर ध्यान देने पर जोर देता है, जिससे हमारी एकाग्रता और याददाश्त में सुधार हो सकता है। योग मस्तिष्क सहित पूरे शरीर में ऑक्सीजन और रक्त प्रवाह को बढ़ाता है, जिससे हमारे संज्ञानात्मक कार्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। बच्चो से लेकर छात्रों की शिक्षा के लिए योग करना काफी जरुरी होता है। इससे गहरी एकाग्रता हासिल कर सकते हैं और अपनी याददाश्त में सुधार लाया जा सकता है। आइए जानते हैं इन 7 योग आसन के बारें में आपको बताते हैं, जिनसे बच्चों की याददाश्त बढ़ा सकते हैं।

सूर्य नमस्कार

ज्यादातर स्कूलों में रोजाना सूर्य नमस्कार अभ्यास किया जाता है, यह योग आसन शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार से लेकर एकाग्रता में सुधार तक के लाभों के लिए जाना जाता है। यह प्रणामासन से शुरू होने वाले 12 योग आसनों का एक संयोजन है जिसमें गहरी सांस लेना और सीधे खड़े होना शामिल है।

बालासन

इस योग के करने से बच्चों की याददाश्त बेहतर रहती है। इसको करने के लिए आप चटाई पर घुटने टेकें जब तक कि आपकी पीठ आपकी एड़ी पर न टिक जाए। अपने हाथ फैलाएं और सांस लें। यह आसन विश्राम को बढ़ावा देता है और मानसिक स्पष्टता में सुधार करता है।

अनुलोम वोलोम प्राणायान

अनुलोम वोलोम प्राणायान योग करने से चिंता और तनाव कम हो जाता है। इसे करने के लिए प्रत्येक नासिका छिद्र से सांस लेना और छोड़ना शामिल है। इस अभ्यास से मस्तिष्क में रक्त का प्रवाह बढ़ता है जिससे मानसिक स्पष्टता बढ़ती है।

वृक्षासन

इस योग करने से तनाव दूर होता है। बच्चों का दिमाग भी तेज होता है। इसको करने के लिए एक पैर पर शरीर को संतुलित करना और दूसरे पैर को खड़े पैर की भीतरी जांघ पर रखना शामिल है। आपकी भुजाएं ऊपर की ओर फैली हुई, मुड़ी हुई होनी चाहिए। यह अभ्यास फोकस को बढ़ा सकता है जिससे याददाश्त बेहतर हो सकती है।

सर्वागासन

सर्वागासन एक पूर्ण शरीर का व्यायाम है जिसमें खुद को उल्टा करना और कंधों परप शरीर का बल छोड़ना होता है। यह योग पोज शक्ति, लचीलेपन और परिसंचरण को बढ़ा सकता है और मानसिक स्पष्टता को बढ़ावा देता है।

त्राटक ध्यान

त्राटक ध्यान में एक आरामदायक स्थिति में बैठना और एक बिंदु, आमतौर पर मोमबत्ती की लौ पर ध्यान केंद्रित करना शामिल है। यह व्यायाम मानसिक स्वस्थ में सुधार कर सकता है, याददाश्त बढ़ा सकता है और जागरूकता की भावना को बढ़ाता है। इसके अलावा इस एक्सरसाइज से आंखों की रोशनी भी बेहतर हो सकती है।

पश्चिमोत्तानासन

पश्चिमोत्तानासन करने के लिए रीढ, कंधों और हैमस्ट्रिंग को फैलता है। इसके करने से प्रवाह में काफी सुधार करता है और फोकस को बढ़ाते हुए याददाश्त में सुधार कर सकता है। इस योगासन को करने के लिए अपने पैरों की उंगलियों को अपने सामने फैलाकर फर्श पर बैठें, इसके बाद अपनी हड्डी को फर्श को दिशा में दबाएं और अपनी रीढ़ को लंबा करें। कुछ समय के लिए सांसे छोड़ें और अंदर लें।

डिस्क्लेमर– इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं। इन सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें। किसी भी बीमारी के लक्षणों की स्थिति में डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

किस समय कॉफी पीना चाहिए

आजकल की अनियमित जीवनशैली और गलत खानपान के कारण कई बीमारियां हो रही हैं, जिनमें से एक है फैटी लिवर। यह एक ऐसी स्थिति है जिसमें लिवर में अतिरिक्त फैट जमा हो जाता है। अधिक शराब पीने, बाहर का खाना खाने और कम शारीरिक गतिविधि करने से यह समस्या बढ़ सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार, फैटी लिवर के मरीजों के लिए कॉफी पीना फायदेमंद साबित हो सकता है।

फैटी लिवर क्या है?

फैटी लिवर एक ऐसी बीमारी है जिसमें लिवर के अंदर वसा (फैट) जमा हो जाता है। यह मोटापा, गलत खान–पान और शराब पीने की आदतों के कारण हो सकता है। हालांकि यह समस्या ज्यादातर लक्षणहीन होती है, पर कुछ मामलों में थकान, पेट दर्द और कमजोरी महसूस हो सकती है।

कॉफी कैसे फायदेमंद है?

एंटीऑक्सीडेंट्स

कॉफी में पॉलीफेनोल्स जैसे एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो शरीर में फ्री रेडिकल्स से लड़ने में मदद करते हैं। यह लिवर में जमा फैट को कम करने और सूजन को रोकने में सहायक हैं।

लिवर एंजाइम्स

कॉफी में कुछ ऐसे एंजाइम्स होते हैं जो लिवर को साफ करने और अतिरिक्त फैट को हटाने में मदद करते हैं। यह लिवर की कार्यक्षमता को बढ़ाने में भी सहायक हैं।

एंटी–इंफ्लामेटरी गुण

कॉफी में क्लोरोजेनिक एसिड और कैफीन जैसे तत्व होते हैं, जो लिवर में सूजन को कम करने का काम करते हैं। सूजन को नियंत्रित कर लिवर के कार्य में सुधार लाया जा सकता है।

कौन सी कॉफी बेहतर है?

फैटी लिवर में काली कॉफी (ब्लैक कॉफी) पीना सबसे फायदेमंद मानी जाती है। ब्लैक कॉफी में चीनी और दूध नहीं मिलाया जाता, जिससे इसमें ज्यादा एंटीऑक्सीडेंट्स और एंजाइम्स होते हैं। यह लिवर को साफ रखने और फैट कम करने में सहायक होती है। कुछ विशेषज्ञ मानते हैं कि काली कॉफी पीने से फैटी लिवर का खतरा 71: तक कम किया जा सकता है।

किन लोगों को कॉफी से परहेज करना चाहिए?

दिल के मरीजों को हार्ट की समस्याओं से जूझते समय सीमित मात्रा में ही कॉफी पीनी चाहिए। यह महत्वपूर्ण है कि वे अपनी सेहत का ध्यान रखें और कॉफी के सेवन को नियंत्रित करें, ताकि उनकी स्थिति और न बिगड़े। महिलाओं को भी काली कॉफी का सेवन सीमित मात्रा में करना चाहिए। यह ध्यान रखना आवश्यक है कि अधिक मात्रा में कॉफी पीने से स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। पाचन और गैस की समस्याओं से जूझ रहे लोगों को भी कॉफी का सेवन कम करना चाहिए। गैस या पाचन संबंधी समस्याएं होने पर कॉफी पीने से स्थिति और बिगड़ सकती है, इसलिए सावधानी बरतना जरूरी है। पैनिक अटैक के मरीजों को कॉफी से दूर रहना चाहिए, क्योंकि कैफीन उनकी परेशानी को बढ़ा सकता है। ऐसे लोगों के लिए यह सलाह दी जाती है कि वे कैफीन युक्त पेय पदार्थों से बचें, ताकि उनकी स्थिति में सुधार हो सके।

फैटी लिवर के शुरुआती लक्षण

लगातार थकान और कमजोरी महसूस होना। अचानक वजन कम होना। पेट में दर्द रहना। जी मिचलाना, उल्टी की इच्छा होना। भूख कम लगना। फैटी लिवर के उपचार में कॉफी का नियमित सेवन लाभकारी हो सकता है, पर इसका सेवन सीमित मात्रा में और सही समय पर करना जरूरी है।

बढ़ा बीपी करें खुद से घर पर कंट्रोल

हाल में एक शोध से पता चला है कि 24 घंटों में 15,000 लोगों पर नजर रखा है। इन परिणामों से पता चला है कि जिन लोगों ने साइकिल चलाई या सीढ़ियां चढ़ने से शरीर स्वस्थ रहता है। रोजाना केवल 5 मिनट के लिए व्यायाम करने से ब्लड प्रेशर होता है कंट्रोल।

आजकल के ज्यादातर लोगों में अनियमित ब्लड प्रेशर देखने को मिल रहा है। हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक ब्लड प्रेशर को सही ढंग से प्रबंधित करने के लिए नियमित एक्सरसाइज करने की सलाह देते हैं। जो लोग रोजाना 30 से 60 मिनट तक व्यायाम करते हैं, हेल्थ बेहतर रहती है। लेकिन, ब्रिटिश हार्ट फाउंडेशन द्वारा एक अध्ययन से पता चला है कि रोजाना केवल 5 मिनट के लिए एक्सरसाइज करने से ब्लड प्रेशर को कम करने में बेहद फायदेमंद होता है। इतना ही नहीं, इस शोध से पता चला है कि ब्लड प्रेशर को कम करने के लिए तीव्र या कठिन व्यायाम की तुलना में नियमित, छोटे व्यायाम करना अधिक असरदार होता है।

क्या कहती है रिसर्च?

दरअसल, वेबएमडी की एक रिपोर्ट के मुताबिक, यह शोध लंदन यूनिवर्सिटी और सिडनी यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने किया है। इस अध्ययन का उद्देश्य यह था कि क्या 5 मिनट का व्यायाम किसी व्यक्ति के ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करता है।

गौरतलब है कि, शोधकर्ताओं ने 24 घंटों में 15,000 लोगों पर नजर रखें। इन परिणामों से पता चला कि जिन लोगों ने साइकिल चलाई या सीढ़ियां चढ़ना जैसे व्यायाम के केवल 5 मिनट अतिरिक्त शामिल किए। जिससे रक्तचाप के स्तर में महत्वपूर्ण सुधार हुआ।

इतना ही नहीं, इस अध्ययन में यह भी पता चला कि एक्सरसाइज चाहे किसी भी प्रकार की हो, यह ब्लड प्रेशर सकारात्मक प्रभाव मिलता है। छोटे व्यायाम उन लोगों के लिए फायदेमंद होते हैं जिन्हें हर दिन शारीरिक गतिविधि में शामिल

होने में कठिनाई होती है।

5 मिनट के व्यायाम करने से ब्लड प्रेशर होगा कंट्रोल

वैज्ञानिकों के अनुसार, रोजाना केवल 5 मिनट के व्यायाम करने से ब्लड प्रेशर मैनेज होता है साथ ही अन्य संबंधी चिंताओं को भी दूर कर सकता है। शोध में आगे पता चला है कि उच्च रक्तचाप को कंट्रोल करने के लिए कठिन एक्सरसाइज करने की कोई आवश्यकता नहीं है। इसके बजाय, साइकिल चलाना या सीढ़ियां चढ़ना जैसी छोटी दैनिक गतिविधियों को शामिल करने से बहुत लाभ मिल

सकता है। लेकिन, ये व्यायाम केवल तभी फायदा करेंगा जब आप इसे रोजाना करें। कई अध्ययनों से पता चला है कि ब्लड प्रेशर के स्तर को सामान्य रुप से बनाए रखने के लिए शरीर को निरंतर शारीरिक गतिविधि की आवश्यकता होती है।

डिस्क्लेमररू इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं। इन सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें। किसी भी बीमारी के लक्षणों की स्थिति में डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

ठंड में बीमारियों से बचने के लिए खाएं ड्राई फ्रूट्स

बादाम, अंजीर, किशमिश और अखरोट जैसे सूखे मेवों को भिगोने से पाचन में सुधार होता है, मांसपेशियों के स्वास्थ्य में मदद मिलती है और एनर्जी का स्तर बढ़ता है। इससे उन्हें पचाना भी आसान हो जाता है, जिससे आपका शरीर अधिक पोषक तत्वों को एब्जॉर्ब कर पाता है। आइए जानते हैं भीगे हुए ड्राई फ्रूट्स खाने से क्या होता है?

ड्राई फ्रूट्स स्वाद से भरपूर होते ही हैं। इसके साथ इनमें कई पोषक तत्व पाए जाते हैं। सूखे मेवे न्यूट्रिशन का पावरहाउस होता है। इनमें प्रोटीन, फाइबर, खनिज और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर हैं। क्या आप जानते हैं ड्राई फ्रूट्स भिगोकर खाने से कई फायदे होते हैं। बादाम, खजूर, अंजीर, किशमिश और अखरोट जैसे सूखे मेवों को भिगोकर खाने से पाचन में सुधार होता है, मांसपेशियों के स्वास्थ्य में मदद मिल सकती है, ऊर्जा बढ़ सकती है और आप हाइड्रेटेड महसूस कर सकते हैं। इससे उन्हें पचाना भी आसान हो जाता है, जिससे आपका शरीर अधिक पोषक तत्वों को एब्जॉर्ब कर पाता है। आइए जानते हैं भीगे हुए ड्राई फ्रूट्स खाने से क्या होता है?

बादाम

बादाम में उच्च प्रोटीन पाया जाता है और यह मस्तिष्क तेज करने लाभों के लिए जाना जाता है। बादाम खाने से पाचन स्वस्थ रहता है, मांसपेशियों के स्वास्थ्य का ठीक करता है। ब्लड शुगर के स्तर को विनियमित करता है। इसके सेवन से शरीर को एनर्जी मिलती है। बादाम को भिगोकर खाने से स्वाद के साथ स्किन के लिए भी हेल्दी होता होता है। प्रोटीन, आयरन, फॉस्फोरस और फाइबर से भरपूर बादाम रोज सुबह खाली पेट भीगे हुए बादाम का सेवन करने से मानसिक सतर्कता और याददाश्त भी बढ़ती है।

खजूर

खजूर में कई पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं और प्रचुर मात्रा में फाइबर के साथ ही नेचुरल मिठास प्रदान करता है। रात भर खजूर को भिगोने से उनकी बनावट नरम हो जाती है। आयरन का स्तर बढ़ता है, पाचन स्वास्थ्य को बेहतर करता है और हड्डियों को स्वास्थ रखता है।

अखरोट

ओमेगा–3 फैटी एसिड, खनिज और विटामिन से भरपूर, अखरोट मस्तिष्क के कार्य में सहायता करते हैं, चयापचय को बढ़ाते हैं और भीगे हुए अखरोट खाने से रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करते हैं। भिगोने से उनकी कड़वाहट भी कम हो जाती है और उनके पोषक तत्वों की जैव उपलब्धता में सुधार होता है।

किशमिश

किशमिश पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं, इसे आप अपनी दिनचर्या में जरुर शामिल करें। भीगी हुईं किशमिश खाने से त्वचा के लिए बेहतरीन होती है। किशमिश में कई पोषक तत्व होते हैं, जो शरीर को स्वस्थ रखता है।

अंजीर

रोजाना सुबह भीगे हुए अंजीर खाने से शरीर स्वस्थ रहता है। अंजीर में फाइबर होता है जो पाचन संबंधित समस्याओं को ठीक करता है। अंजीर को रात भर भिगोकर खाने से पाचन में सहायता होती है और प्रतिरक्षा को मजबूत करता है और शरीर की कमजोरी को दूर करता है।

डिस्क्लेमर– इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं। इन सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें। किसी भी बीमारी के लक्षणों की स्थिति में डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

संक्षिप्त

स्पेक्ट्रम नीलामी से घरेलू कंपनियां विदेशी इकाइयों के मुकाबले हो सकेंगी प्रतिस्पधद्द : जियो

नयी दिल्ली । रिलायंस जियो ने उपग्रह संचार (सैटकॉस) कंपनियों को नीलामी के बिना स्पेक्ट्रम आवंटित करने के प्रस्ताव का विरोध किया है। कंपनी ने कहा कि स्पेक्ट्रम नीलामी स्थानीय इकाइयों को विदेशी उपग्रह कंपनियों के साथ प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम बनाएगी। कंपनी ने इस बारे में दूरसंचार नियामक ट्राई को लिखे एक पत्र में कहा कि एलन मस्क के स्वामित्व वाली स्टारलिंक और अमेजन की कुइपर की संयुक्त सैटकॉम बैंडविड्थ पिछले कुछ वर्षों में सभी तीन प्रमुख भारतीय दूरसंचार कंपनियों की बनाई गई क्षमता से अधिक है। जियो ने कहा, ''नीलामी के माध्यम से स्पेक्ट्रम आवंटनभारतीय इकाइयों को विदेशी कंपनियों के साथ सीधे प्रतिस्पर्धा करने का अवसर प्रदान करेगा। विदेशी कंपनियों ने पहले आओ पहले पाओ आधारित आईटीयू (अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ) प्राथमिकता सूची को बाधित किया है और अपने स्वयं के समूह की योजना बनाई है।'' कंपनी ने कहा कि स्पष्टता और निश्चितता के अभाव में स्पेक्ट्रम आवंटन/प्राथमिकता के बावजूद, कोई भी भारतीय इकाई कभी भी अपना स्वयं का एनजीएसओ (गैर–जियोस्टेशनरी कक्षा) शुरू नहीं कर पाएगी। उल्लेखनीय है कि दूरसंचार अधिनियम–2023 में सैटकॉम कंपनियों को नीलामी के बिना प्रशासनिक व्यवस्था के माध्यम से स्पेक्ट्रम आवंटन करने की बात कही गयी है। इसका कारण उपग्रह कंपनियों को आवंटित रेडियो तरंगों को एक साझा स्पेक्ट्रम माना जाता है और माना जाता है कि सैटकॉम इकाई को अलग से 'फ्रीक्वेंसी' आवंटित करना तकनीकी रूप से संभव नहीं है। जियो ने इस तर्क को भी खारिज कर दिया कि सैटकॉम सेवाएं उन दूरसंचार सेवाओं की पूरक होंगी जहां कोई नेटवर्क कवरेज नहीं है।

मोदी सरकार के लिए विदेश से आई अच्छी खबर, भारतीय अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ेगी

विदेश से मोदी सरकार के लिए बेहद ही खास खबर आई है। एक तरफ देश में महंगाई बढ़ती जा रही है। दूसरी तरफ दिग्गज रेटिंग एजेंसी ने भारतीय अर्थव्यवस्था पर अपना रुख सकारात्मक ही रखा है। हाल ही में वैश्विक कंपनी मूडीज रेटिंग्स ने नई

रिपोर्ट निकाली है। इस रिपोर्ट में जो जानकारी आई है वो भारत के लिए काफी अच्छी है। इस रिपोर्ट के अनुसार भारतीय अर्थव्यवस्था शानदार ग्रोथ कर रही है। इस समय भारतीय अर्थव्यवस्था 'स्वीट स्पॉट' में बनी हुई है। वही एजेंसी ने ये भी अनुमान लगाया है कि जीडीपी ग्रोथ में तेजी देखने को मिलेगी।

NITI Aayog के मंच ने महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए अर्बन कंपनी के साथ की साझेदारी

नयी दिल्ली । नीति आयोग के महिला उद्यमिता मंच (डब्ल्यूईपी) ने महिला उद्यमियों को सशक्त बनाने के लिए अर्बन कंपनी के साथ साझेदारी की है। प्रायोगिक तौर पर शुरू इस पहल के तहत सैलून और ब्यूटी पार्लर चलाने वाली महिला उद्यमियों को सहायता दी जाएगी। एक आधिकारिक बयान में शुक्रवार को यह जानकारी दी गई। बयान के अनुसार, डब्ल्यूईपी

ने अपनी पुरस्कार–से–इनाम पहल के तहत, सौंदर्य और स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र में अपने कारोबार को बढ़ाने के लिए महिला एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम) का समर्थन करने को लेकर पायलट आधार पर परियोजना शुरू की है। महिला उद्यमियों को कौशल, कानून और अनुपालन, वित्त, बाजार और कारोबार विकास सेवाओं तक पहुंच के साथ–साथ संरक्षण और नेटवर्किंग के लिए प्रशिक्षण की सुविधा उपलब्ध करायी जाएगी। माइक्रोसेव कंसल्टिंग के एक अध्ययन में 1,00,000 से अधिक महिला एमएसएमई वाले चार प्रमुख क्षेत्रों की पहचान की गई। ये क्षेत्र हैं... सौंदर्य और स्वास्थ्य देखभाल, कपड़ा विनिर्माण, खुदरा व्यापार और खाद्य और पेय पदार्थ। बयान में कहा गया है कि प्रायोगिक तौर पर शुरू की गई इस पहल का उद्देश्य कार्यक्रम के माध्यम से प्राप्त अनुभव और सीख का लाभ उठाकर देशभर में महिला संचालित एमएसएमई को आगे बढ़ाने की एक व्यवस्था विकसित करनी है। इसमें कहा गया है कि अर्बन कंपनी छोटे उद्यमों में काम करने वाली महिलाओं की पहचान करने और उनके कारोबार के विकास में सहायता करने के लिए अन्य प्रमुख पक्षों के साथ मिलकर कार्यक्रम का नेतृत्व करेगी।

बीसीसीआई के सामने पीसीबी फिर पस्त

आपत्ति के बाद पीओके को ट्रॉफी टूर से हटाया, अब इन शहरों से गुजरेगी

कराची। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने पाकिस्तान के दौरे के कार्यक्रम में पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को शामिल करने के पीसीबी के कदम पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के साथ आपत्ति दर्ज कराई है। इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट में यह बताया गया है कि इसके बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) चौंपियंस ट्रॉफी के दौरे को तीन मेजबान शहरों कराची, लाहौर और रावलपिंडी तक सीमित करने पर सहमत हो गया है। पीसीबी ने गुरुवार को एक्स पर पोस्ट में कहा, तैयार हो जाओ पाकिस्तान! आईसीसी चौंपियंस ट्रॉफी 2025 ट्रॉफी टूर 16 नवंबर को इस्लामाबाद में शुरू होगा और ट्रॉफी स्कार्दू, मर्री, हुंजा और मुजफ्फराबाद का भी दौरा करेगी। इसके बाद बीसीसीआई सचिव जय शाह ने आईसीसी के समक्ष विरोध दर्ज कराया था। पीसीबी के एक सूत्र ने इंडियन एक्सप्रेस को बताया, पीसीबी पहले से ही आईसीसी के साथ चर्चा कर रहा है कि ट्रॉफी यात्रा को कैसे आगे बढ़ा जाए ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि चौंपियंस ट्रॉफी को पाकिस्तान में बढ़ावा मिलता रहे। आईसीसी चौम्पियंस ट्रॉफी यात्रा की योजना सलाह मशविरे और आईसीसी की मंजूरी के बाद बनाई गई थी। पीसीबी ने ट्रॉफी दौरे का कार्यक्रम एकतरफा तय नहीं किया था। बीसीसीआई के एक शीर्ष अधिकारी ने शुक्रवार को द इंडियन एक्सप्रेस को बताया कि जय शाह, जो एक दिसंबर को आईसीसी अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभालने के लिए तैयार हैं, उन्होंने आईसीसी से कहा कि यह अस्वीकार्य है कि पीसीबी पीओके में ट्रॉफी दौरे की योजना बना रहा है। उन्होंने कहा, बीसीसीआई सचिव शाह ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में चौंपियंस ट्रॉफी यात्रा के आयोजन के पीसीबी के विचार पर आपत्ति जताई थी। बीसीसीआई को पाकिस्तान के किसी अन्य शहर या पीओके के बाहर स्टेडियम या मॉल में आयोजित होने में कोई समस्या नहीं है। लेकिन वे इसे पीओके में नहीं रख सकते।

पीसीबी ने भारत को भड़काने की कोशिश की

पिछली बार 2017 में आयोजित किया गया यह टूर्नामेंट पहले से ही विवादों में है क्योंकि बीसीसीआई ने सुरक्षा चिंताओं के कारण अपने मैचों को दुबई में स्थानांतरित करने के लिए कहा था, लेकिन पीसीबी ने मांग पर सहमति व्यक्त नहीं की है। बीसीसीआई ने आईसीसी को बता दिया था कि उनकी टीम किसी भी कीमत पर पाकिस्तान नहीं जाएगी। इसके बाद ही पाकिस्तान ने भारत को भड़काने के लिए ट्रॉफी यात्रा का कार्यक्रम तैयार किया था।

आठ टीमें लेती हैं हिस्सा

दुनिया की शीर्ष आठ टीमें अगले साल 50 ओवर की चौंपियंस ट्राफी में हिस्सा लेंगी जो 19 फरवरी से नौ मार्च तक कराची, लाहौर और रावलपिंडी की मेजबानी में खेली जाएगी। ट्रॉफी दौरा आईसीसी के किसी बड़े टूर्नामेंट से पहले एक प्रचार कार्यक्रम है। भारत अपने सभी मैच दुबई में खेलना चाहता है और ऐसे में टूर्नामेंट का हाइब्रिड मॉडल हो सकता है। एशिया कप 2023 में भारत ने श्रीलंका में अपने मैच खेले थे, जबकि पीसीबी मेजबान देश था। हालांकि, पाकिस्तान सरकार ने पीसीबी से कहा है कि वह चौम्पियंस ट्रॉफी मैच दुबई में कराने की भारत की मांग को स्वीकार नहीं करे।

पंत का दुर्घटना की चोट से उबरना चमत्कार था, मुझे लगा था कि वह कभी नहीं खेल पायेंगे : शास्त्री

पूर्व कोच रवि शास्त्री ने कार दुर्घटना के बाद जब ऋषभ पंत को अस्पताल में देखा था तब उनके क्रिकेट भविष्य को लेकर अनिश्चित थे। उन्होंने विकेटकीपर बल्लेबाज के चोट से उबरने को 'चमत्कार' बताया। पंत ने बीते सत्र में सीमित ओवरों की क्रिकेट में वापसी करने के बाद दलीप ट्रॉफी से लाल गेंद प्रारूप में सफल वापसी की थी।

मेलबर्न। भारत के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने भीषण कार दुर्घटना के बाद जब विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को अस्पताल में देखा था तब उनके क्रिकेट भविष्य को लेकर अनिश्चित थे। उन्होंने विकेटकीपर बल्लेबाज के चोट से उबरने को 'चमत्कार' करार दिया। पंत ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के बीते सत्र में सीमित ओवरों की क्रिकेट में वापसी करने के बाद दलीप ट्रॉफी से लाल गेंद प्रारूप में सफल वापसी की थी। वह बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट श्रृंखला में भारतीय टीम का हिस्सा थे। शास्त्री ने 'न्यूज डॉट कॉम डॉट एयू' से कहा, ''ईमानदारी से कहूं तो, अगर आपने उसे देखा होता तो आप उससे दोबारा क्रिकेट खेलने की उम्मीद नहीं करते।'' भारत के इस पूर्व हरफनमौला ने कहा, ''मैं इसे कभी नहीं भूलूंगा। वह बहुत पीड़ादायक स्थिति में था। उसके चोटिल होने के एक महीने बाद मैं उसे अस्पताल में देखने गया था। उसे काफी चोट लगी थी और पूरे शरीर पर चोट के निशान थे।'' शास्त्री ने कहा, ''उसका एक बड़ा ऑपरेशन हुआ था और हर जगह टांके लगे थे। उस स्थिति से ठीक होकर क्रिकेट खेलना एक चमत्कार है। फिर आगे बढ़ना और विश्व कप विजेता टीम में खेलना और टेस्ट टीम का हिस्सा बनना वास्तव में एक बड़ी और उल्लेखनीय उपलब्धि है।'' भारतीय टीम 22 नवंबर से शुरू होने वाली पांच मैचों बॉर्डर गावस्कर श्रृंखला के लिए ऑस्ट्रेलिया में है और इस देश में पंत का औसत 62 का है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के पिछले दो दौरे में टीम की सफलता में शानदार भूमिका निभाई थी। सड़क दुर्घटना की चोट से वापसी करने के बाद से पंत शानदार लय में है। शास्त्री ने कहा, '' वह शानदार लय के साथ ऑस्ट्रेलिया आया है। वह ऐसा खिलाड़ी जिसका खौफ ऑस्ट्रेलिया की टीम में है। जब वह अस्पताल में था तब हालांकि इस बात की बेहद कम संभावना था कि वह इस दौरे का हिस्सा बनेगा।''

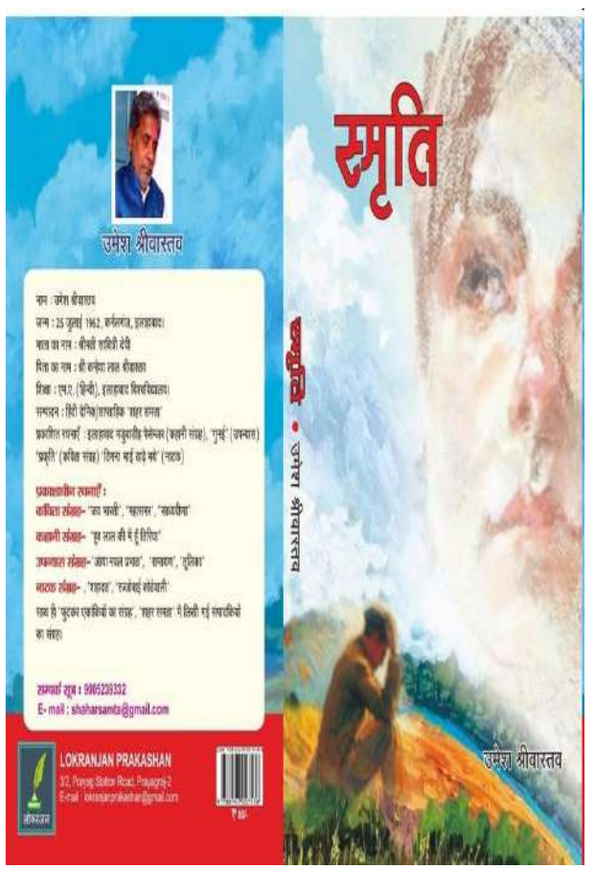

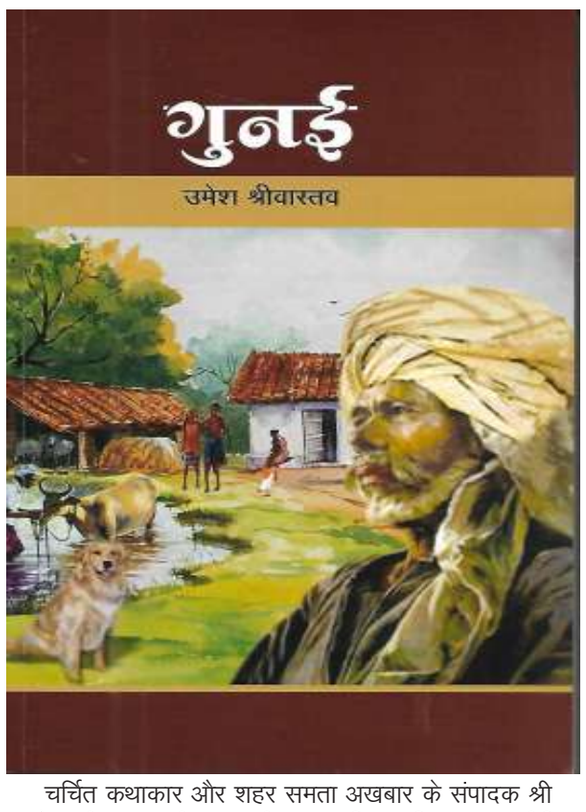

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

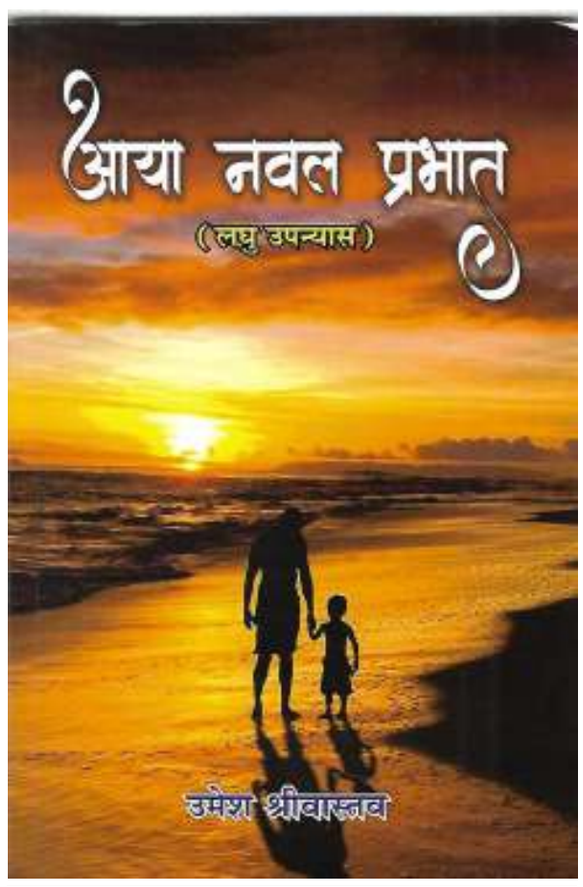

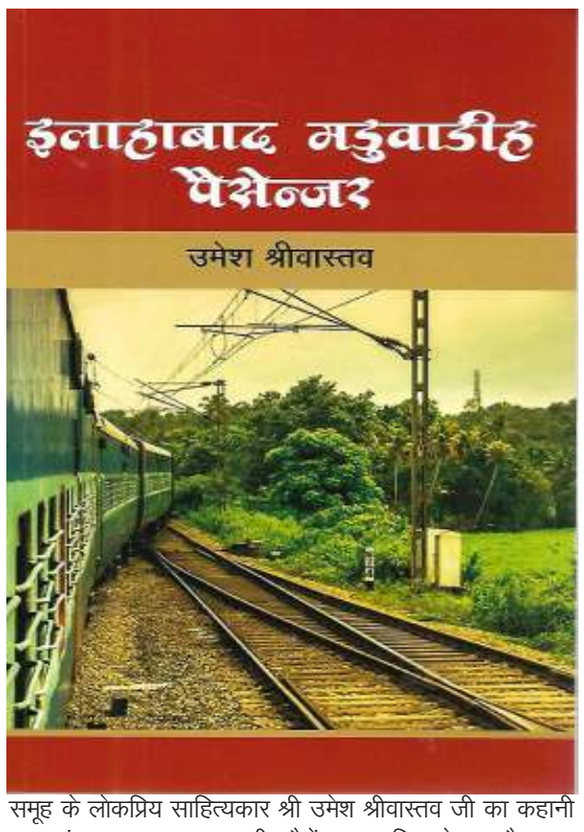

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

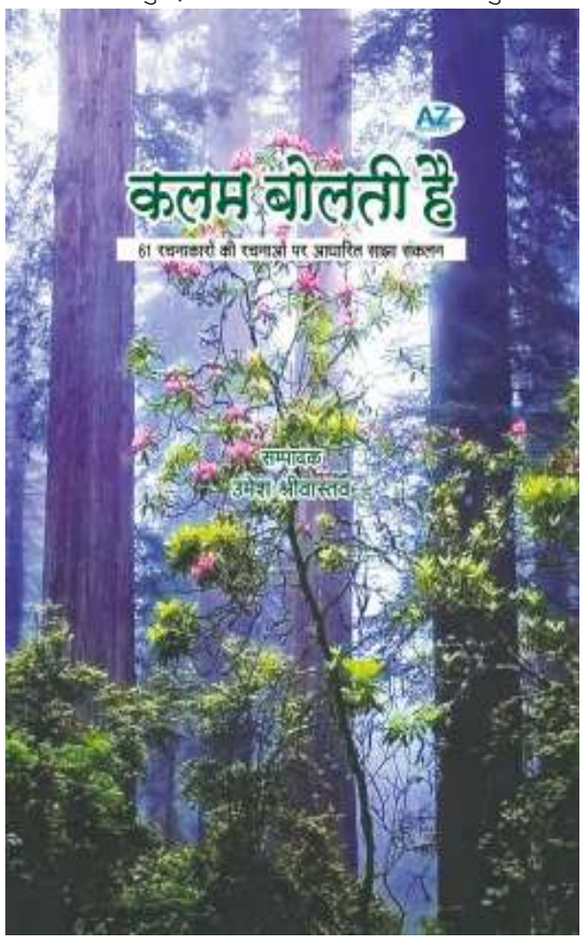

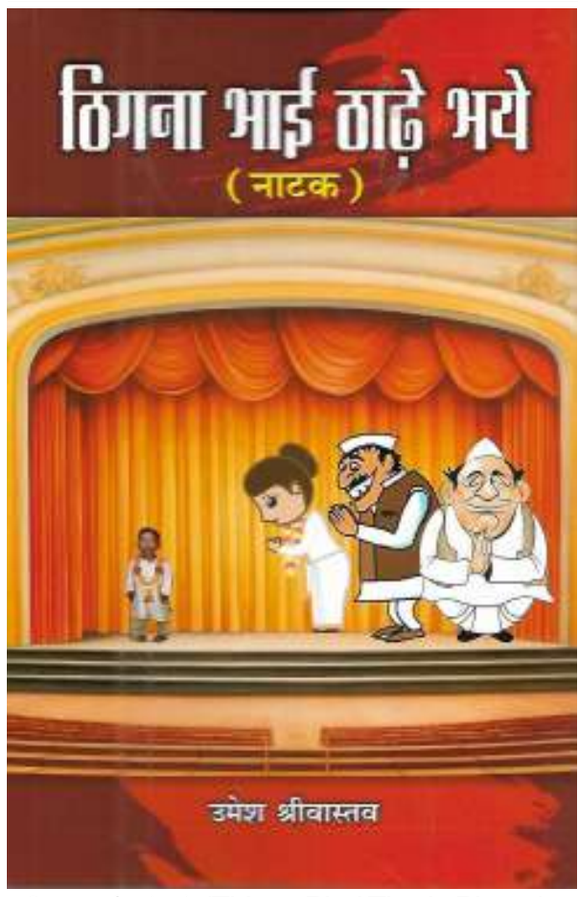

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

कैरोलिन लेविट कौन हैं ? ये लड़की 27 साल की उम्र में बनने जा रही हैं यूएस व्हाइट हाउस की सबसे युवा प्रेस सचिव

वाशिंगटन। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को घोषणा की कि उनके अभियान की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव होंगी। 27 वर्षीय लेविट इस पद को संभालने वाली सबसे कम उम्र की व्यक्ति बन जाएंगी, उन्होंने रोनाल्ड ज़िग्लर को पीछे छोड़ दिया, जो 1969 में राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन के अधीन काम करते समय 29 वर्ष के थे। वर्तमान में, ट्रंप की संक्रमण टीम की प्रवक्ता, लेविट ने मीडिया में ट्रंप का मज़बूत बचाव करने के लिए पहचान हासिल की है।

ट्रंप ने कैरोलिन लेविट को 'व्हाइट हाउस' का प्रेस सचिव नामित किया

अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कैरोलिन लेविट को 'व्हाइट हाउस' (अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) की प्रेस सचिव नामित किया है। लेविट 'व्हाइट हाउस' की वर्तमान प्रेस सचिव कैरीन पियरे का स्थान लेंगी। ट्रंप 20 जनवरी 2025 को अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेंगे। लेविट, ट्रंप के चुनाव प्रचार अभियान में राष्ट्रीय प्रेस सचिव थीं और इससे पहले वह 'ट्रंप व्हाइट हाउस' में सहायक प्रेस सचिव के रूप में सेवाएं दे चुकी हैं। ट्रंप ने लेविट के नाम का अनुमोदन करते हुए कहा, ''लेविट ने मेरे ऐतिहासिक प्रचार अभियान में राष्ट्रीय प्रेस सचिव के रूप में अभूतपूर्व काम किया और मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि वह व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव के रूप में काम करेंगी।''

नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ट्रंप ने की कैरोलिन की जमकर तारीफ

नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, '' कैरोलिन बुद्धिमान, दृढ़ निश्चयी हैं तथा उन्होंने साबित कर दिया है कि वह एक अत्यंत प्रभावी वक्ता हैं।'' ट्रंप ने कहा, '' मुझे पूरा विश्वास है कि वह अमेरिकी लोगों तक हमारा संदेश पहुंचाने में मदद करेंगी...।'' लेविट के अतिरिक्त ट्रंप ने स्टीवन चेउंग को राष्ट्रपति के सहायक और संचार निदेशक तथा सर्जियो गोर को राष्ट्रपति के सहायक और राष्ट्रपति कार्मिक कार्यालय के निदेशक के रूप में नामित किया है। ट्रंप ने कहा, '' स्टीवन चेउंग और सर्जियो गोर 2016 में राष्ट्रपति पद के चुनाव के प्रचार अभियान के समय से ही मेरे विश्वसनीय सलाहकार रहे हैं और मेरे पहले कार्यकाल से लेकर 2024 में हमारी ऐतिहासिक जीत तक उन्होंने 'अमेरिका फर्स्ट' के सिद्धांतों को आगे बढ़ाया है।

कैरोलिन लेविट कौन है?

कैरोलिन लेविट न्यूयॉर्क प्रतिनिधि एलिस स्टेफनिक की संचार निदेशक थीं। स्टेफनिक, जिन्हें अब ट्रम्प द्वारा संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत के रूप में नामित किया गया है, ने लीविट को उनके प्रभावशाली योगदान का श्रेय दिया है।2022 में, लीविट ने न्यू हैम्पशायर के प्रथम जिले में कांग्रेस के लिए चुनाव लड़ा। उन्होंने रिपब्लिकन प्राइमरी जीती लेकिन डेमोक्रेट क्रिस पप्पस से हार गईं। इस अभियान के अनुभव ने उनके सार्वजनिक भाषण और मीडिया कौशल को निखारा, जिससे वे अपनी नवीनतम भूमिका के लिए तैयार हो गईं। ट्रम्प की टीम से उनका जुड़ाव तब भी जारी रहा जब वे ड।ळ। प्दब., एक ट्रम्प समर्थक सुपर च।ब की प्रवक्ता बनीं और बाद में उनके 2024 के अभियान में एक प्रमुख आवाज़ के रूप में फिर से शामिल हुईं। परंपरागत रूप से, व्हाइट हाउस प्रेस सचिव की भूमिका में दैनिक ब्रीफिंग आयोजित करना और प्रशासन का सार्वजनिक चेहरा बनना शामिल है।

डोनाल्ड ट्रंप के लिए किए हैं कई बेहतरीन कार्य

हालाँकि, 2017 से 2021 तक ट्रम्प के पहले कार्यकाल के दौरान, उन्होंने अक्सर इन मानदंडों को दरकिनार कर दिया, रैलियों, सोशल मीडिया और स्व-संचालित प्रेस इंटरैक्शन के माध्यम से अपने स्वयं के प्रवक्ता के रूप में कार्य किया। ट्रम्प के पहले प्रशासन के दौरान चार अलग-अलग प्रेस सचिव थे, जिनके दृष्टिकोण प्रेस के साथ नियमित टकराव से लेकर ब्रीफिंग से पूरी तरह बचने तक के थे। ट्रम्प के पिछले कार्यकाल के दौरान, सीन स्पाइसर और सारा हुकाबी सैंडर्स जैसे प्रेस सचिव अक्सर पत्रकारों से उलझते थे, जबकि स्टेफ़नी ग्रिशम ने कभी ब्रीफिंग नहीं की, और कैली मैकनेनी ने सीधे मीडिया का सामना किया, खासकर महामारी के दौरान। विशेषज्ञों का मानना ध्छै कि लीविट को ट्रम्प के प्रशासन का प्रतिनिधित्व करते हुए पत्रकारिता की विश्वसनीयता बनाए रखते हुए जनता के साथ सीधे संवाद को संतुलित करने की चुनौती का सामना करना पड़ेगा।

संक्षिप्त समाचार

प्रतिबंधित टीटीपी वैश्विक आतंकवादी संगठनों का केंद्र बन गया है : पाक सेना प्रमुख

पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने शुक्रवार को कहा कि प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान का आतंकवाद सभी वैश्विक आतंकवादी संगठनों और उनके छद्म संगठनों का केंद्र बन गया है। यहां मर्गल्ला डायलॉग 2024 के विशेष सत्र में शांति और स्थिरता में पाकिस्तान की भूमिका विषय पर अपने संबोधन में सीमा की स्थिति पर चर्चा करते हुए थल सेनाध्यक्ष (सीओएएस) जनरल मुनीर ने कहा कि पश्चिमी सीमाओं को सुरक्षित करने के लिए एक व्यापक सीमा प्रबंधन व्यवस्था लागू की गई है। इस संगोष्ठी का आयोजन इस्लामाबाद पॉलिसी रिसर्च इंस्टीट्यूट (आईपीआरआई) द्वारा किया गया था। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून के अनुसार, जनरल मुनीर ने कहा, खवारिज का खतरा दुनिया भर के सभी आतंकवादी संगठनों और उनके समर्थकों के लिए एक केंद्र बन गया है। पाकिस्तान को उम्मीद है कि अफगानिस्तान की अंतरिम सरकार अपनी धरती का इस्तेमाल आतंकवादियों द्वारा किए जाने पर रोक लगायेगी और इस संबंध में सख्त कदम उठाएगी। पाकिस्तान तहरीक-ए-तालिबान (टीटीपी) के आतंकवादियों के लिए खवारिज शब्द का प्रयोग करता है।

भारत को 1400 से अधिक प्राचीन नायाब वस्तुएं लौटाएगा अमेरिका

वॉशिंगटन। अमेरिका के मैनहट्टन जिला अटॉर्नी एल्विन एल. ब्रैग जूनियर ने एक बयान जारी कर बताया कि 10 मिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य की कम से कम 1,440 प्राचीन धरोहर भारत को लौटाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि आपराधिक तस्करी नेटवर्क में चल रही कई जांचों के तहत इस धरोहरों को बरामद किया गया। तस्कर सुभाष कपूर और दोषी तस्कर नैन्सी वीनर से बरामद धरोहरों को भारत के महावाणिज्य दूतावास के मनीष कुल्हारी और होमलैंड के समूह पर्यवेक्षक एलेक्जेंड्रा डीअर्मास के साथ एक समारोह में लौटाया गया। ब्रैग ने भारत के लोगों को सामूहित रूप से 10 मिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य की कम से कम 1,440 प्राचीन धरोहरों को लौटाने की घोषणा की। उन्होंने बयान में कहा, ष्हम भारतीय सांस्कृतिक विरासत को निशाना बनाने वाले कई तस्करी नेटवर्कों की जांच करना जारी रखेंगे।ष इन प्राचीन धरोहरों में मध्य प्रदेश के एक मंदिर से लूटी गई एक दिव्य नर्तकी को दर्शाती बलुआ पत्थर की मूर्ति, हरे-भूरे रंग की शिस्ट से बनाई गई तनेसर मातृ देवी और राजस्थान के तनेसरा-महादेव गांव से लूटी गई मूर्ति शामिल है। बयान में बताया गया कि ब्रैग के कार्यकाल में डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी की तस्करी इकाई ने 30 से अधिक देशों से चुराई गई 2,100 से अधिक प्राचीन धरोहरों को बरामद किया। इसकी कुल कीमत लगभग 230 मिलियन अमेरिकी डॉलर बताई गई है। बयान में कहा गया कि भारत से लूटी गई और इस साल की शुरुआत में बरामद की गई 600 से अधिक धरोहरों समेत लगभग एक हजार प्राचीन धरोहरों को आने वाले दिनों में वापस भेजा जाएगा।

मादक पदार्थ तस्करी मामले में भारतीय समेत तीन लोग गिरफ्तार

भारत-नेपाल सीमा के निकट एक कस्बे में बृहस्पतिवार को एक भारतीय नागरिक सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया और उनके पास से 22 किलोग्राम से अधिक हशीश जब्त की गई। पुलिस ने बताया कि 29 वर्षीय मुकेश कुमार और उसके दो नेपाली साथियों को बीरगंज मेट्रोपोलिटन सिटी के बिश्वो होटल के पास 22.5 किलोग्राम हशीश (एक प्रकार का मादक पदार्थ) के साथ गिरफ्तार किया गया। भारतीय नागरिक के साथ 29 वर्षीय मकसूद अंसारी और 20 वर्षीय रामलाल साहनी को भी गिरफ्तार किया गया है। दोनों दक्षिणी नेपाल के बारा सिमरौनगढ़ के निवासी हैं। पुलिस ने बताया कि उन्हें हिरासत में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

ट्रंप की जीत से फंसा यूरोप! एलन मस्क को नाराज करना पड़ सकता है भारी

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप की जीत से जिस शख्स को शायद कहें कि सबसे ज्यादा फायदा होने जा रहा है तो वो एलन मस्क हो सकते हैं। दरअसल एलन मस्क की सोशल मीडिया कंपनी एक्स यूरोप में तकनीकी नियामकों के साथ विवाद में फंसी हुई है और आशंका है कि यूरोप एक्स पर अरबो डॉलर का जुर्माना लगा सकती है, लेकिन अब ट्रंप की जीत के बाद पूरे समीकरण बदल गए हैं। मस्क, ट्रंप के बहुत करीबी हैं और उनकी जीत में मस्क की अहम भूमिका रही। यही वजह है कि मस्क को नाराज करने का मतलब ट्रंप को नाराज करना हो सकता है और अभी यूरोप नहीं चाहेगा कि सत्ता संभालने से पहले ही ट्रंप के साथ तनातनी की जाए। दरअसल एलन मस्क की सोशल मीडिया कंपनी एक्स पर यूरोप के डिजिटल सर्विस एक्ट (वै।) के तहत भ्रामक कंटेंट को बढ़ावा देने और यूजर्स को भ्रम में डालने के आरोप लगे हैं। साथ ही एक्स पर विज्ञापनों में पार्दर्शिता न रखने और रिसर्चर्स को प्लेटफॉर्म के डाटा तक पहुंच न देने के गंभीर आरोप हैं। डीएसए की जांच में भी पाया गया है कि एक्स द्वारा गैरकानूनी कंटेंट को फैलाया गया और कंटेंट को तोड़-मरोड़कर यूजर्स के सामने पेश किया गया। यूरोपीय देश तकनीकी नियामक के नियमों को बेहद गंभीरता से लेते हैं। डीएसए की जांच पूरी हो चुकी है ।

खालिस्तानी आतंकी अर्श डल्ला को भारत प्रत्यर्पित करेगा कनाडा ?

जानिए क्या बोलीं विदेश मंत्री मेलोनी जॉली

ओटावा। कनाडा में गिरफ्तार खालिस्तानी आतंकी अर्श डल्ला के भारत प्रत्यर्पण को लेकर जब कनाडा की विदेश मंत्री मेलोनी जॉली से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि उनके पास अर्श डल्ला के भारत प्रत्यर्पण की मांग को लेकर कोई जानकारी नहीं है। गौरतलब है कि खालिस्तानी आतंकी अर्श डल्ला भारत में वांछित है और हाल ही में उसे कनाडा की पुलिस ने गिरफ्तार किया है। अर्श डल्ला की गिरफ्तारी के बाद भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा था कि खालिस्तानी आतंकी के भारत प्रत्यर्पण की मांग की जाएगी।

क्या बोलीं कनाडा की विदेश मंत्री

जब भारत की इस मांग को लेकर कनाडा की विदेश मंत्री मेलोनी जॉली से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि श्अभी इस मामले की जांच चल रही है, इसलिए मैं इस पर कोई टिप्पणी नहीं करूंगी। अगर भारतीय राजनयिकों की तरफ से कोई जानकारी मांगी जाती है तो हम उनसे बात करेंगे। हालांकि जिस मामले के बारे में पूछा जा रहा है, उसके बारे में मेरे पास फिलहाल कोई विशेष जानकारी नहीं है, लेकिन हम विदेश मंत्रालय के स्तर पर बातचीत जारी रखेंगे।

भारत में वांछित आतंकी है अर्श डल्ला

अर्श डल्ला को बीती 28 अक्तूबर को कनाडा में गोलीबारी के मामले में गिरफ्तार किया गया था। अर्श डल्ला भारत में भगोड़ा घोषित है और उस पर हत्या, हत्या के प्रयास, वसूली, आतंकी वारदात को अंजाम देने जैसे 50 से ज्यादा मामले दर्ज हैं। अर्श डल्ला पर आतंकवाद को वित्तपोषित करने का भी मामला चल रहा है। मई 2022 में डल्ला के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया गया था। साल 2023 में अर्श डल्ला को भारत में आतंकी घोषित किया गया। भारत सरकार ने पूर्व भी कनाडा की सरकार से उसके प्रत्यर्पण की मांग की थी।

भारत कनाडा के बीच चल रहा तनाव

अर्श डल्ला का मामला ऐसे समय सामने आया है, जब भारत और कनाडा के रिश्तों में खटास चल रही है। दोनों देशों ने अपने-अपने राजनयिकों को वापस बुला लिया था। बीते दिनों कनाडा में हिंदू मंदिर पर खालिस्तानी चरमपंथियों ने हमला किया था, जिसकी प्रधानमंत्री मोदी ने भी कड़ी आलोचना की थी।

वाकई इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन में आई दरारें? 50 लीकेज से खतरे में सुनीता विलियम्स समेत कई अंतरिक्षयात्री

वॉशिंगटन। इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) में पिछले पांच वर्षों से हल्का लीकेज जारी था, इसे लेकर अब नासा चिंता में आ गया है। उन्हें कम से कम 50 जगहों पर लीकेज होने की जानकारी मिली। इसके साथ ही आईएसएस में दरारें भी हैं। नासा की एक रिपोर्ट लीक होने के बाद आईएसएस पर खतरा मंडराने का खुलासा हुआ। इसके साथ ही सुनीता विलियम्स समेत अन्य अंतरिक्षयात्रियों की जान पर भी खतरा मंडराने लगा है। रूस की तरफ से आईएसएस में माइक्रो वाइब्रेशन का भी दावा किया गया है। नासा ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि स्पेस स्टेशन में बड़ी मात्रा में हवा निकल रही है और यहां लोगों को बचाने की कोशिश की जा रही है। बता दें कि स्पेस स्टेशन पर मौजूद यवेज्दा मॉड्यूल से सबसे पहले लीकेज शुरू हुई थी। यह डॉकिंग पोर्ट तक जाने के लिए एक सुरंग है। इसका कंट्रोल रूप के पास है। इस लीकेज की वजह क्या है, इसे लेकर नासा और रूसी एजेंसी रॉसकोमोस के बीच सहमति नहीं बन पाई है। नासा के अंतरिक्षयात्री बॉब कैबाना ने इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन में लीकेज को लेकर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि लीकेज को रोकने के लिए ऑपरेशन चलाने से कुछ समय के लिए राहत मिल सकता है, लेकिन यह स्थायी समाधान नहीं है। अमेरिका ने इसे असुरक्षित बताया है। सबसे पहले लीकेज का पता 2019 में चला था। इसके बाद अप्रैल 2024 से रोज 1.7 किलो हवा लीक होने लगी है। आईएसएस में कम से कम सात से 10 अंतरिक्षयात्री रहते हैं। हालांकि, रूसी इंजीनियरों के माइक्रो वाइब्रेशन का दावा करने के बाद इस खतरे का समाधान निकालने के लिए नासा ने कदम उठाया है। यहां मौजूद अंतरिक्षयात्रियों को भी सावधान रहने की सलाह दी गई है। रूसी टीम भी इसके समाधान पर काम कर रही है।

26 अक्तूबर के इस्राइली हमले में तबाह हुआ ईरान का परमाणु केंद्र? मीडिया रिपोर्ट्स में चौंकाने वाला दावा

तेल अवीव। इस्राइल द्वारा ईरान पर किए गए हवाई हमले को कई दिन बीत चुके हैं, लेकिन अब इस हमले को लेकर चौंकाने वाला दावा किया गया है। दरअसल मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि इस्राइली हवाई हमले में ईरान के खुफिया परमाणु केंद्र तबाह हुआ है। इससे ईरान के परमाणु कार्यक्रम को बड़ा झटका लगा है। मीडिया रिपोर्ट्स में अमेरिका के तीन और इस्राइल के दो शीर्ष अधिकारियों के हवाले से यह दावा किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस्राइली हवाई हमले में ईरान का एक सक्रिय परमाणु विकास केंद्र तबाह हुआ है। यह परमाणु केंद्र ईरान के पारचिन इलाके में स्थित था। ईरान द्वारा लगातार अपने परमाणु कार्यक्रम को आगे बढ़ाने की कोशिश की जा रही है, लेकिन अगर रिपोर्ट्स में किया गया दावा सही है तो फिर यह ईरान के परमाणु कार्यक्रम के लिए बड़ा झटका साबित हो सकता है। इस्राइली सेना ने हवाई हमले में ईरानी सेना के एक परिसर को निशाना बनाया था। इस परिसर में कथित तौर पर ईरान द्वारा सैन्य उद्देश्य से परमाणु कार्यक्रम चलाया जा रहा था। हालांकि यह कार्यक्रम खुफिया तौर पर संचालित हो रहा था क्योंकि ईरान की सरकार इसे नागरिक परमाणु केंद्र के तौर पर दर्शाया था। उल्लेखनीय है कि ईरान के हमले के जवाब में इस्राइली सेना ने बीती 26 अक्तूबर को ईरान पर हवाई हमला किया था। इस हमले में ईरान को भारी नुकसान हुआ और उसका अंतरिक्ष केंद्र भी तबाह हुआ था। इस्राइली हवाई हमले में चार ईरानी सैनिकों की मौत होने का दावा किया गया था। हमले में ईरान की मिसाइल निर्माण इकाइयों को भी नुकसान हुआ। हालांकि, ईरान ने हमले से होने वाले नुकसान को मामूली बताया था। अमेरिका ने इस्राइल के हवाई हमले को आत्मरक्षा करार दिया था।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
. 919450482227

पाकिस्तान की काली करतूत का पर्दाफाश

पार्क में कसरत करते मुंबई हमले के मास्टरमाइंड का वीडियो वायरल

मुंबई आतंकी हमलों का मास्टरमाइंड और लश्कर-ए-तैयबा का ऑपरेशन कमांडर जकी-उर-रहमान लखवी पाकिस्तान में खुलेआम घूम रहा है। सोशल मीडिया पर उसके कई वीडियो वायरल हुए है, जिसमें एक वीडियो में वो एक पार्क में आसानी से जिम सेशन में हिस्सा ले रहा है। हालांकि, वीडियो की सही जगह और तारीख के बारे में अभी तक स्पष्ट नहीं है। वहीं जकी-उर-रहमान लखवी को लेकर कई मीडिया रिपोर्ट्स में ये भी दावा किया गया है कि उसने अपना लुक बदल लिया है।

पाकिस्तान की जेल से बाहर है लखवी?

इससे पहले आतंकी जकी-उर-रहमान लखवी को इस्लामाबाद कोर्ट में देखा गया था, तब उसे लंबी दाढ़ी में देखा गया था। इससे ऐसा माना जा रहा है कि संयुक्त राष्ट्र और अमेरिका की ओर से आतंकी घोषित लखवी कथित तौर पर पाकिस्तान की जेल से बाहर है। दरअसल करीब तीन साल पहले उसे लाहौर की एक आतंकवाद-रोधी अदालत ने साल 2021 में आतंकी वित्तपोषण मामले में पांच साल जेल की सजा सुनाई थी और उस पर जुर्माना भी लगाया था। भारत और अमेरिका ने लखवी पर 2008 के मुंबई आतंकी हमले की साजिश रचने का आरोप लगाया था। इस हमले में कम से कम 160 लोग मारे गए थे। हालांकि, पाकिस्तान ने लंबे समय तक लखवी की मुंबई हमलों में संलिप्तता से इनकार किया था। लेकिन वित्तीय संकट और फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) की ग्रे-लिस्ट में शामिल होने के बाद पाकिस्तान को उसे मजबूरन जेल भेजना पड़ा था। तब से उसे कई बार पाकिस्तान की सड़कों पर खुलेआम आराम से घूमते देखा गया है।

भारत ने पाकिस्तान से लखवी को सौंपने को कहा था

कई मौके पर भारत ने पाकिस्तान लश्कर-ए-तैयबा के ऑपरेशन कमांडर को प्रत्यर्पित करने के लिए कहा, लेकिन पाकिस्तान ने अब तक कहा है कि वह मुंबई हमलों से जुड़े पाए जाने वाले अपने किसी भी नागरिक को भारत को नहीं सौंपेगा। इस्लामाबाद की तरफ से ये भी कहा गया है कि ऐसे व्यक्तियों पर पाकिस्तानी कानूनों के तहत मुकदमा चलाया जाएगा।

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव